UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

यंग भारत वेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-155 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) रविवार 17 मई 2026 youngbharatE-paper.com

खेत तालाब योजना में किसानों को 52500 का अनुदान दे रही योगी सरकार, कैसे होगा चयन, क्या है प्रक्रिया?

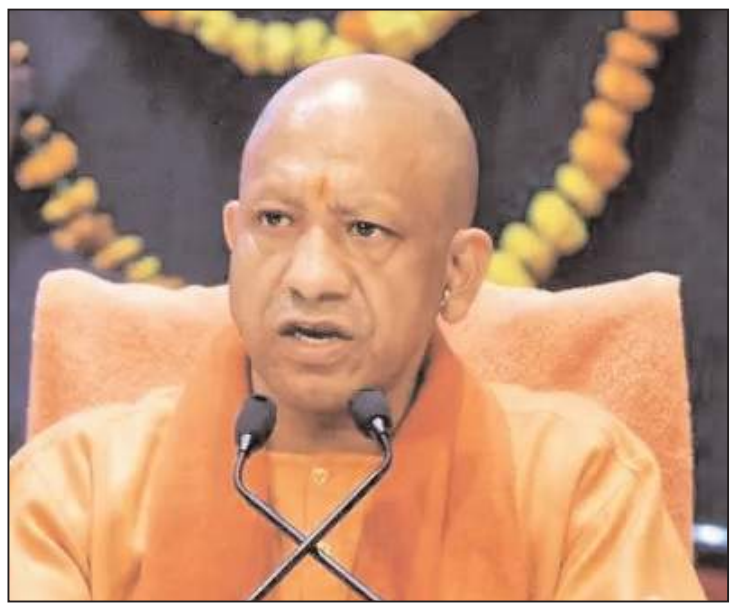

संजय श्रीवास्तव

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। यूपी सरकार लगातार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए महत्वकांक्षी योजनाएं चला रही है। सरकार का प्रयास है कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि समृद्ध और आत्मनिर्भर उद्यमी भी बनें। इसी क्रम में 'खेत तालाब योजना' किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। यह योजना जल संरक्षण और कृषि उत्पादन बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस योजना के तहत किसानों को सरकार 52500 रुपये का सीधा अनुदान दे रही है। इस योजना का लाभ पाने के लिए किसानों को ऑनलाइन पोर्टल पर बुकिंग करानी होगी। उसी के आधार पर योजना के लिए किसानों का चयन किया जाएगा। इस योजना के तहत 22 मीटर म 20 मीटर म 3 मीटर आकार का तालाब बनाया जाता है। इसकी कुल लागत ?1,05,000 निर्धारित की गई है, जिसमें सरकार द्वारा 52,500 का अनुदान दिया जाता है। यानी किसान को आधी लागत सरकार वहन कर रही है। इससे छोटे और सीमांत किसानों को भी इस योजना का लाभ आसानी से मिल पा रहा है। यह योजना केवल सिंचाई तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को अतिरिक्त आय के नए अवसर भी प्रदान कर रही है। खेत तालाब में किसान मत्स्य पालन, मोती उत्पादन, सिंघाड़ा उत्पादन और अन्य जलीय खेती कर सकते हैं। इससे किसानों की आय के कई स्रोत विकसित हो रहे हैं। प्रदेश सरकार आधुनिक सिंचाई व्यवस्था को भी बढ़ावा दे रही है। योजना के अंतर्गत स्प्रिंकलर सेट पर 80 से 90 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। वहीं पम्पसेट पर 15,000 अथवा 50 प्रतिशत तक की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इससे किसानों की सिंचाई लागत कम हो रही है और जल का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो रहा है। सरकार ने इस योजना में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित की है। किसानों का चयन ऑनलाइन पोर्टल पर बुकिंग के आधार पर 'प्रथम आवक प्रथम पावक' यानी पहले आओ-पहले पाओ के सिद्धांत पर किया जाएगा। इससे किसी प्रकार की सिफारिश या भ्रष्टाचार की संभावना समाप्त हो रही है और पात्र किसानों को सीधे लाभ मिल रहा है। इससे किसानों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से उन्हें सुविधा मिल रही है। कानपुर नगर के भूमि संरक्षण अधिकारी, आर.पी. कुशवाहा ने बताया कि प्रदेश सरकार कृषि को आत्मनिर्भर और तकनीक आधारित बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है। जल संरक्षण के माध्यम से खेती को सुरक्षित बनाना, किसानों को आधुनिक सिंचाई प्रणाली से जोड़ना और खेती के साथ मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देना सरकार की दूरदर्शी नीति को दर्शाता है। आज प्रदेश के हजारों किसान इस योजना का लाभ लेकर अपनी आय बढ़ा रहे हैं। खेत तालाब बनने से फसलों की उत्पादकता बढ़ रही है और किसानों को मौसम पर निर्भरता कम करनी पड़ रही है।

अमित शाह का एक आदेश और कांप उठे तस्कर! पहली बार 'जिहादी ड्रग' पर महा-स्ट्राइक, जानें क्या है 'ऑपरेशन रेजपिल'?

(यंग भारत न्यूज)

देश को नशामुक्त बनाने के संकल्प के बीच भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट की रीढ़ तोड़ते हुए अब तक की सबसे अनोखी और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एलान किया है कि 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत सुरक्षा एजेंसियों ने भारत में पहली बार 'जिहादी ड्रग' के नाम से कुख्यात 'कैप्टागन' की एक बहुत बड़ी खेप जब्त की है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस खेप की कीमत 182 करोड़ रुपये आंकी गई है. इस हाई-प्रोफाइल मामले में एक विदेशी नागरिक को भी दबोचा गया है.

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस बड़ी कामयाबी की जानकारी साझा करते हुए देश के दुश्मनों को कड़ा संदेश दिया. शाह ने साफ शब्दों में कहा कि मोदी सरकार 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. भारत अपनी पावन धरती का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी के लिए किसी भी हाल में नहीं होने देगा. आगे उन्होंने यह भी कहा कि हमारे देश के भीतर आने वाले या यहाँ से बाहर भेजे जाने वाले नशीले पदार्थ के 'हर एक ग्राम' पर हमारी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी. उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की पूरी टीम की पीठ थपथपाते हुए उन्हें देश का 'सतर्क और बहादुर योद्धा' बताया.दरअसल कैप्टागन असल में 'फेनेथिलिन' नामक एम्फेटामिन आधारित ड्रग का एक रूप है. मिडिल ईस्ट (खासकर सीरिया और युद्धग्रस्त इलाकों) में सक्रिय आईएसआईएस जैसे खतरनाक आतंकी संगठनों के लड़ाके युद्ध के मैदान में इसका अंधाधुंध इस्तेमाल करते हैं, इसीलिए इसे 'जिहादी ड्रग' कहा जाता है. इस खतरनाक ड्रग की सबसे बड़ी खासियत (या बुराई) यह है कि इसे खाने के बाद इंसान के दिमाग से दर्द, डर, भूख और थकान का एहसास पूरी तरह खत्म हो जाता है. इसके प्रभाव में आकर लोग बिना सोचे-समझे बेहद हिंसक और क्रूर वारदातों को अंजाम दे देते हैं. एनसीबी द्वारा चलाया गया 'ऑपरेशन रेजपिल' एक बेहद गुप्त और अंतरराष्ट्रीय स्तर का साझा अभियान था. खुफिया इनपुट मिले थे कि एक बड़ा ग्लोबल सिंडिकेट भारत के रास्ते इस 'जिहादी ड्रग' को किसी अन्य देश में स्मगल करने की फिराक में था. लेकिन सीमा पार करने से पहले ही भारतीय शेरों ने जाल बिछाकर पूरी खेप और उसके मुख्य विदेशी सरगना को दबोच लिया. एजेंसियों का मानना है कि इस जब्ती से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंक और अपराध की फंडिंग करने वाले नेटवर्क को गहरा झटका लगा है.

सुर्खियां.............

शादी के बाद दहेज मांगने वाले लोभी ससुरालियों ने बहु पर 2 लाख रुपए न लाने से नाराज होकर जमकर की मारपीट

(यंग भारत न्यूज)

कोंच अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों द्वारा उत्पीड़न किए जाने का आरोप लगाते हुए पीड़ित महिला ने कोतवाली पुलिस से शिकायत कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। मामले में पुलिस ने महिला के पति समेत कुल 5 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित महिला साहिबा ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी शादी 20 नवंबर 2023 को आजाद नगर निवासी जीशान शरीफ के साथ हुई थी। शादी में उसके पिता ने नगदी सहित कीमती सामान और बाइक दहेज में दी थी।

दो तेज रफ्तार बाइक आमने सामने भिड़ी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम एक सड़क हादसे में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ही परिवार के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

हुलकी माता व छठी माता मंदिर के सौदर्यीकरण

(यंग भारत न्यूज)

जालौनं-उरई ।नगर में स्थित हुलकी माता मंदिर और छठी माता मंदिर के सौदर्यीकरण के लिए सरकार की ओर से बजट आवंटित किया गया था। नगरवासी ने इसके निर्माण की जाचं कराने की मांग एसडीएम को शिकायत पत्र भेजकर की है।

अश्लील विडियो दिखाकर रेप, 2 साल से चौथी क्लास की बच्ची का शोषण कर रहा था बुज़ुर्ग शिक्षक

(यंग भारत न्यूज)

जलगांव में एक बुजुर्ग शिक्षक पर चौथी कक्षा की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप लगे हैं। आरोपी शिक्षक दो साल से लगातार बच्ची के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था। मामला जलगांव जिले के धरणगांव का है।

यहां एक टीचर ने चौथी क्लास की स्टूडेंट के साथ स्कूल में ही यौन शोषण किया। वह टीचर स्कूल में अश्लील वीडियो दिखाकर उसका शोषण कर रहा था। आरोपी ने दो साल पहले धमकाकर बच्ची का शोषण शुरू किया और गुरु-शिष्य के रिश्ते को शर्मसार कर दिया। बच्ची की मां की शिकायत पर टीचर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी टीचर का नाम नंदलाल नारायण मराठे है। वह जिला

परिषद स्कूल का शिक्षक है। इस मामले में आरोपी टीचर नंदलाल नारायण मराठे के खिलाफ धरणगांव पुलिस स्टेशन में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

पीड़ित लड़की अपने परिवार के साथ धरणगांव तहासील के एक गांव में रहती है। वह जेडपी स्कूल में चौथी क्लास में पढ़ती है। आरोपी टीचर नंदलाल मराठे उसे स्कूल शुरू होने से पहले सुबह 10 बजे झाड़ू लगाने के बहाने स्कूल बुलाता था। किसी की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर वह उसके साथ घिनौना काम करता था। इतना ही नहीं, वह उसे अपने मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाकर उसका यौन शोषण भी करता था। 30 अप्रैल, 2026 को स्कूल के आखिरी दिन इस वहशी टीचर ने बच्ची के साथ रेप किया था। इस मामले में लड़की की मां की शिकायत के आधार पर धरणगांव पुलिस ने आरोपी टीचर नंदलाल मराठे के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अग्निम कार्रवाई कर रही है। डीवाईएसपी अण्णासाहेब घोलप ने बताया कि धरणगाव पुलिस स्टेशन में एक नाबालिग बच्ची के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया। बच्ची की मां ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर लिया गया है और इस मामले में हम लोग बहुत ही गंभीरता से जांच कर रहे है। अपराधी टीचर के स्कूल में भी हमने जानकारी दे दी है और टीचर पर कठोर से कठोर कार्रवाई की रिपोर्ट दर्ज की गई है। इस टीचर को कठोर से कठोर सजा दिलाने के लिए हम सब काम कर रहे हैं और जल्द से जल्द कोर्ट में इसे पेश करने की तैयारी कर रहे हैं।

ग्वालियर की नाबालिग लड़की का अपहरण कर बेंगलुरु में हुआ गैंगरेप, 5 आरोपी गिरफ्तार

नारी उत्पीड़न से कैसे मिलेगी निजात

क्राइम स्टोरी

(प्रधान सम्पादक की कलम से)

(यंग भारत न्यूज)

दो महिलाओं सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इन पर एक नाबालिग लड़की के कथित गैंगरेप में शामिल होने का आरोप है. इस लड़की का इसी साल की शुरुआत में मध्य प्रदेश के ग्वालियर से अपहरण किया गया था.

हालांकि छठा आरोपी अभी भी फरार है. पुलिस के अनुसार पीड़िता का इसी साल जनवरी में अपहरण किया गया था और उसे बेंगलुरु ले जाया गया था. एक अधिकारी ने बताया कि फरवरी में लड़की की मां ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. उसने दावा किया था कि उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर बेंगलुरु ले जाया गया था.

कैसे बचाई गई लड़की की जान?

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने लड़की की तलाश शुरू की. जिसे आखिरकार बेंगलुरु से बचा लिया गया. पुलिस के अनुसार उसे बंधक बनाकर रखने वाले एक व्यक्ति को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया.

बचाए जाने के बाद अधिकारियों ने नाबालिग को ग्वालियर में एक अस्थायी आश्रय गृह में रखा. एक अधिकारी ने बताया कि वहां एक महीना बिताने के बाद लड़की को उसके परिवार से मिला दिया गया.

कैसे हुआ मामले का खुलासा?

घर पहुंचने पर लड़की ने कथित तौर पर अपनी मां को अपने साथ हुई आपबीती सुनाई, जिसके बाद महिला ने पुलिस में एक और शिकायत दर्ज कराई. लड़की की मां ने शिकायत में दावा किया कि उसकी बेटी को बेंगलुरु में न केवल बंधक बनाकर रखा गया, बल्कि उसके साथ गैंगरेप भी किया गया. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि दो महिलाओं ने भी अपहरण और उसके बाद हुए यौन शोषण में मदद की थी.

पुलिस ने क्या लिया एक्शन?

शिकायत के आधार पर छह लोगों, जिनमें चार पुरुषों और दो महिलाओं के खिलाफ स्न्ढ्ढक्रदर्ज की गई है. FIR के अनुसार आरोपियों की भूमिकाएं अलग-अलग थीं. जहां उनमें से कुछ ने अपहरण में मदद की, वहीं दूसरों ने कथित तौर पर उसके साथ रेप किया. इस मामले में नामजद पुरुषों में से एक अभी भी फरार है और उसे ढूंढ़ने के प्रयास जारी हैं.

विवेकानंद द ग्लोबल स्कूल में सीबीएसई इंटरमीडिएट बोर्ड के सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सीबीएसई इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा सत्र 2025-26 के हालिया घोषित परिणाम में विवेकानंद द ग्लोबल स्कूल ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट शैक्षिक पहचान स्थापित की है। विद्यालय के कुल 21 छात्र-छात्राएं बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हुए थे और सभी ने उत्कृष्ट अंक अर्जित किए हैं।उन सभी सफल छात्र-छात्राओं को विद्यालय में बुला कर सम्मानित किया गया।स्कूल प्रबंधन और स्टाफ ने छात्र-छात्राओं को विद्यालय बुलाकर उन्हें मिठाई खिलाई एवं मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की छात्रा सृष्टि अग्रवाल ने 82.4 फीसदी अंक पाकर विद्यालय में अव्वल रही, द्वितीय स्थान पर तन्वी पटेल ने 82.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि अतुल कुमार ने तीसरे स्थान के लिए 81.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अलावा कनिष्का राजावत एवं रागिनी गुर्जर ने 77.8, नित्या कुमारी ने 74.8, जयकांत अग्रवाल ने 74.2, देवांश गुप्ता ने 72.8, तन्वी ने 73.8 तथा अक्षत रिछारिया ने 70.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अन्य सभी विद्यार्थियों ने भी 65 फीसदी से अधिक अंक अर्जित किए हैं। विद्यालय के लिए यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि विद्यालय की कक्षा 12वीं की यह पहली सीबीएसई बोर्ड परीक्षा थी तथा छात्र संख्या मात्र 21 थी। विद्यालय प्रबंधन के अध्यक्ष श्रीप्रकाश निरंजन एवं प्रबंधक सुरेंद्र कुमार निरंजन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं संस्कारयुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं अभिभावकों के विश्वास का परिणाम है। विद्यालय की प्रथम बोर्ड परीक्षा में प्राप्त यह शानदार उपलब्धि भविष्य में और बेहतर परिणामों की प्रेरणा बनेगी।

सुहागिनो ने वट सावित्री व्रत रखकर पति की सुख समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में वट सावित्री पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। नगर के विभिन्न मुहल्लों और मंदिरों के पास स्थित बर के पेड़ों के नीचे सुहागिन महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में एकत्र हुईं और विधि-विधान से वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने पति की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और परिवार की सुख-शांति की कामना करते हुए व्रत रखा तथा यम देव से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा।सोलह श्रृंगार कर पूजा करने गयी महिलाओं ने बरगद के वृक्ष की परिक्रमा कर रक्षा सूत्र बांधा और वट सावित्री व्रत कथा का श्रवण किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार वट सावित्री व्रत रखने से पति पर आने वाले संकट दूर होते हैं और दांपत्य जीवन सुखमय बना रहता है। इस पर्व का सनातन परंपरा में विशेष महत्व माना जाता है।नगर के विद्वान पंडित एवं भगवताचार्य विष्णुकांत शास्त्री पिंटू महाराज ने बताया कि वट वृक्ष को भारतीय संस्कृति में ज्ञान, स्थिरता और दीर्घायु का प्रतीक माना गया है। उन्होंने कहा कि वट का एक पौधा लगाने से हजारों वृक्ष लगाने के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। मान्यता है कि वट वृक्ष के दर्शन और उसके समीप दीपदान करने से परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है तथा भौतिक कष्ट दूर होते हैं।पूजा-अर्चना के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। महिलाएं पारंपरिक गीत गाती नजर आईं और मंदिर परिसरों में धार्मिक वातावरण बना रहा। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा कर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की। पर्व को लेकर नगर में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा और धार्मिक स्थलों पर लोगों की आवाजाही बनी रही।वही नई नवेली दुल्हनो में इस पर्व का खासा उत्साह रहा।

कोंच क्षेत्र में मिट्टी चोर ताबड़तोड़ ढंग से रातों रात लगा रहे हैं खेत मालिकों को तगड़ा चूना

- धड़ल्ले से हो रहा अवैध खनन, ग्रामीणो ने लगाया आरोप रात दिन जेसीबी से हो रही मिट्टी खुदाई
- अगर पुलिस और अन्य संबंधित अधिकारी जिनका अवैध खनन रोकने का है वो संरक्षण नहीं दे रहे तो कैसे खुद रहे हैं खेत
- एसडीएम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र में अवैध खनन का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। ग्राम जगनपुरा निवासी एक ग्रामीण ने उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को शिकायती पत्र देकर बताया कि क्षेत्र के कई गांवों में बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन हो रहा है।शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि माफिया निडर होकर धड़ल्ले से अवैध खनन कर रहे है। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम जगनपुरा थाना कैलिया निवासी ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र दयाराम ने आरोप लगाया कि ग्राम धौरपुर, बुढ़ेरा, महेशपुरा, पचीपुरा, खुटैला और मऊ समेत कई गांवों में लंबे समय से जेसीबी मशीनों के जरिए खेत समतलीकरण के नाम पर मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है। उनके अनुसार दिन-रात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से मिट्टी निकालकर बेची जा रही है और यह काम खुलेआम जारी है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस अवैध खनन में कुछ बाहरी जनपदों, खासकर कानपुर से जुड़े जेसीबी मालिक सक्रिय हैं। उन्होंने शिकायती पत्र में राजेश तिवारी नामक एक जेसीबी मालिक का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि उनके भाई वन विभाग में दरोगा पद पर तैनात हैं। ग्रामीण का कहना है कि वन विभाग की जमीन पर खुदाई कर हजारों ट्रॉली मिट्टी बेची जा चुकी है और वर्तमान में भी यह कार्य लगातार जारी है। ज्ञानेन्द्र कुमार ने बताया कि उन्होंने क्षेत्रीय लेखपाल को मामले की जानकारी दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि उपजिलाधिकारी से संपर्क करने की कोशिश करने पर उन्हें अर्दली का नंबर दे दिया गया। बाद में शाम को एसडीएम से बात होने पर जांच का आश्वासन मिला, लेकिन रात 10 बजे तक भी जेसीबी मशीनें और मिट्टी से भरे ट्रैक्टर चलते रहे। ग्रामीण ने आरोप लगाया कि लगातार जारी इस अवैध खनन से ऐसा प्रतीत होता है कि खनन माफियाओं की पहुंच प्रभावशाली स्तर तक है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर अवैध खनन पर रोक लगाने की मांग की है।

हुलकी माता व छठी माता मंदिर के सौंदर्यीकरण

निर्माण की जाचं कराने की मांग एसडीएम से की

(यंग भारत न्यूज)

जालौनं-उरई । नगर में स्थित हुलकी माता मंदिर और छठी माता मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए सरकार की ओर से बजट आवंटित किया गया था। नगरवासी ने इसके निर्माण की जाचं कराने की मांग एसडीएम को शिकायत पत्र भेजकर की है।

नगर के मोहल्ला गणेशजी निवासी श्रीगोविंद स्वर्णकार ने एसडीएम रिंकू सिंह राही को बताया कि नगर में छठी माता और हुलकी माता देवी के प्राचीन मंदिर स्थित हैं। इन मंदिरों पर महिलाएं पूजा अर्चना के लिए जाती हैं। उन्होंने बताया कि इन दोनों मंदिरों के सौंदर्यीकरण के लिए शासन द्वारा बजट उपलब्ध कराया गया था। आरोप लगाया कि इस बजट का कुछ ही हिस्सा मंदिरों के सौंदर्यीकरण पर खर्च किया गया है। शेष हिस्से का बंदरबांट कर लिया गया है। बताया कि जब उन्होंने ठेकेदार से कार्य पूरा करने के लिए कहा तो वह धनराशि आने की बात कहता है। उन्होंने एसडीएम से मामले की जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

नगर में फैले अतिक्रमण की सभासद ने एसडीएम से शिकायत की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के बाजारों और गलियों में बढ़ते अवैध अतिक्रमण को लेकर अब जनप्रतिनिधियों ने भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया है। सभासद विनोद सोनी ने उपजिलाधिकारी हेमन्त पटेल को शिकायती पत्र देकर नगर के प्रमुख बाजारों और गलियों सहित मुख्यमार्ग,मार्कण्डेश्वर से मंडी गेट तथा बाजार सब्जी मंडी से अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

सभासद ने प्रार्थनापत्र में कहा कि नगर के रामलीला भवन, रामगंज गली, बाजार वाली गली, चन्दकुआ मार्ग, सब्जी मंडी गली, किराना बाजार गली तथा डाकघर से लेकर लवली चौराहा तक कई स्थानों पर तो दुकानदार सड़क और रास्तों पर सामान रखकर अवैध कब्जा कर लेते हैं। इससे आम नागरिकों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर हालात ऐसे बन गए हैं कि पैदल निकलना तक मुश्किल हो जाता है। बाजारों में लगातार बढ़ रही भीड़ और संकरे होते रास्तों के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।सभासद विनोद सोनी ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि नगरवासियों की समस्याओं को गंभीरता से देखते हुए तत्काल अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन मिल सके।

एसडीएम की अध्यक्षता में हुआ समाधान दिवस का आयोजन

-मौके पर आई 26 शिकायतो में मात्र पॉच का हुआ निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील के लेखपाल कक्ष में उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल की अध्यक्षता एवं क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद की उपस्थित में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।जिसमे विभिन्न विभागो से संबंधित कुल 26 शिकायती पत्र आए लेकर मौके पर मात्र 5 शिकायती पत्रो का ही निस्तारण हो सका।समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे एसडीएम ने सभी शिकायतो को संबंधित विभाग को सौंपते हुए कहा कि समय से शिकायतो का गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करे उन्होने कहा लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी।एसडीएम ने कहा किसी भी शिकायती पत्र का घर बैठे निस्तारण नही होना चाहिए।मौके पर जाकर स्थित को देखकर शिकायतकर्ता को संतुष्ट कर शिकायत का निस्तारण करे।वही सीओ ने अपने अधीनस्थो को निर्देश दिए कि थाने पर आने बाले फरियादी की समस्या को गंभीरतापूर्वक सुने तथा उसका निस्तारण करे बेबजह परेशान व्यक्ति यहां वहां चक्कर न काटता रहे।इस मौके पर नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल, आरआई सुनील कुमार, जेई आलोक श्रीवास्तव, एसडीओ धर्मेंद्र कुमार, एडीओ पंचायत देवी शरण सोनी,देवेंद्र निरंजन,सुमन कुमार,शिवाजीत, मंडी से अजीम,एवीएसएम शैलेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

रामपुरा ब्लाक प्रमुख ने भी गन्ना विकास मंत्री से की मांग चले शुगर मिल

(यंग भारत न्यूज)

उरई कार्यालय (जालौन) रामपुरा ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह सेंगर बेरा द्वारा एक पत्र गन्ना विकास मंत्री को देकर गन्ना मिल चालू कराए जाने की मांग की है क्योंकि गन्ना मिल चालू न होने से गन्ना किसानों को उनकी उपज और गन्ना का मूल्य सही नहीं मिल पाता है खांडसारी कांटे द्वारा किसानों का शोषण किया जाता है। इस संबंध में गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री द्वारा आश्वासन दिया गया है। कि उक्त मिल को चालू करवाया जाएगा ऐसा ब्लॉक प्रमुख का कहना है फिलहाल कुछ भी कहा जाए रामपुरा ब्लॉक प्रमुख ने रामपुरा ब्लाक को सुसज्जित किया तो अनेकों समाजसेवी कार्यों को अंजाम तक पहुचाने का सराहनीय कार्य कर दिखाया है उनकी कृति एक ब्लाक में ही जनपद में आकर्षण केन्द्र रही है। वह आमजनों के मुद्दों को उठाने में नहीं उनके कार्यों को कराने में अग्रणी है। उन्होने शुगर मिल चलवाने के लिए भरसक कोशिश की है उनकी कोशिश सार्थक होने की ओर अग्रसर है।

शादी के बाद दहेज मांगने वाले लोभी ससुरालियों ने बहु पर 2 लाख रुपए न लाने से नाराज होकर जमकर की मारपीट

मायके जाते वक्त रास्ते मे रोककर दी जान से मारने की धमकी, पीड़िता ने कोतवाली में दर्ज कराई एफआईआर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों द्वारा उत्पीड़न किए जाने का आरोप लगाते हुए पीड़ित महिला ने कोतवाली पुलिस से शिकायत कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। मामले में पुलिस ने महिला के पति समेत कुल 5 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित महिला साहिबा ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी शादी 20 नवंबर 2023 को आजाद नगर निवासी जीशान शरीफ के साथ हुई थी। शादी में उसके पिता ने नगदी सहित कीमती सामान और बाइक दहेज में दी थी। लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल के लोग अतिरिक्त दहेज के रूप में दो लाख रूपये की और मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर पति और ससुर सहित सास कदीरन, जेठ इमरान, जेठानी सोनिया, देवर अरमान उसे प्रताड़ित करने लगे लेकिन भविष्य में सब सही हो जाने की आस में वह अपना उत्पीड़न सहती रही। महिला ने बताया कि बीती 23 अप्रैल को उक्त लोगों ने एकराय होकर गाली गलौज और मारपीट कर उसे बेटे सहित खाली हांथ घर से बाहर निकाल दिया। घर से निकलकर वह खैलार गांव स्थित मायके जा रही थी तो रास्ते में ग्राम अंडा के पास उक्त लोगों ने उसका रास्ता रोक लिया और उसे जान से मारने की कोशिश की। जैसे तैसे वह जान बचाकर बेटे संग मौके से भाग सकी और मजबूरी में वह अपने मायके में रह रही है। उक्त मामले में पुलिस ने महिला के पति समेत उपरोक्त पांचों लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं मे मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो तेज रफ्तार बाइक आमने सामने भिड़ी

पति पत्नी सहित बच्चा घायल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम एक सड़क हादसे में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ही परिवार के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पहाड़गांव निवासी सोनू उम्र 28 वर्ष अपनी पत्नी आरती और बच्चों के साथ कोंच बाजार से खरीदारी कर वापस घर लौट रहे थे। उनके साथ बाइक पर पत्नी आरती, 5 वर्षीय बेटा लवकुश और 2 वर्षीय बच्चा गणेश सवार थे। बताया गया कि जब वह ग्राम दाढ़ी के पास पहुंचे ही थे तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में सोनू, उनकी पत्नी आरती और पुत्र लवकुश को गंभीर चोटें आईं। वहीं अन्य लोग भी चोटिल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही कोतवकली पुलिस मौके पर पहुंची और राहगीरों की मदद से घायलों को तत्काल सीएचसी कोंच भिजवाया गया।सीएचसी में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सोनू की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सारंगपुर में बच्चों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से वाटर कूलर स्थापित

(यंग भारत न्यूज)

जालौनं-उरई। जालौन। भारत विकास परिषद छत्रसाल शाखा की प्रेरणा से प्राथमिक विद्यालय सारंगपुर में बच्चों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से वाटर कूलर स्थापित कराया गया। विष्णुचरण अग्रवाल और डॉ. वेद प्रकाश शर्मा के सहयोग से लगाए गए इस वाटर कूलर का लोकार्पण प्रांतीय अध्यक्ष लखनलाल चंदैया ने फीता काटकर किया। विद्यालय में शीतल पेयजल की व्यवस्था होने से बच्चे और अभिभावक खुश दिखे।

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान प्रांतीय अध्यक्ष लखनलाल चंदैया ने कहा कि समाज सेवा ही भारत विकास परिषद का मूल उद्देश्य है। भीषण गर्मी के बीच विद्यालयों में बच्चों को शुद्ध और ठंडा पानी उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। विष्णुचरण अग्रवाल ने कहा कि सेवा कार्यों के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. वेदप्रकाश शर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में छोटे बच्चों को स्वच्छ और ठंडा पानी उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। छत्रसाल शाखा द्वारा अब तक विद्यालयों और मंदिरों में 22 वाटर कूलर स्थापित कराए जा चुके हैं। इस मौके पर शाखा अध्यक्ष सुशील कुमार बाजपेयी, राजीव कुमार महेश्वरी, अशोक कुमार गुप्ता, अरुण कुमार मिश्रा, आलोक श्रीवास्तव सहित विद्यालय स्टाफ और ग्रामीण मौजूद रहे।

लोहापीटा परिवारों ने दाखिल खारिज कराने और नक्शा स्वीकृत कराने की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

जालौनं-उरई। *लोहापीटा परिवारों ने वर्ष 2009 में उन्हें दिए गए आवसीय पट्टों का दाखिल खारिज कराने और नक्शा स्वीकृत कराने की मांग एसडीएम से की है। एसडीएम ने नगर पालिका ईओ को दो दिन में समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए हैं।*

नगर के बालमभट् में रहने वाले लोहापीटा समुदाय गोपी, सुरेश, राजू, बजरंग, पप्पू कल्याण आदि पहुंचे। जहां उन्होंने एसडीएम को बताया कि वर्ष 2009 में उनके बाजार बैठगंज स्थित नजूल भूमि में आवासीय पट्टे स्वीकृत हुए थे। पट्टे स्वीकृत होने के बाद भी अभी तक नगर पालिका की ओर से न तो उनका दाखिल खारिज किया गया है और न ही उनका नक्शा स्वीकृत हुआ है। जिसके चलते अभी भी वह घुमंतू की तरह जीवन जीने को विवश हैं। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि उनके पट्टों का दाखिल खारिज किया जाए और नक्शा स्वीकृत कराया जाए। साथ ही उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए ताकि वह घरों का निर्माण कर सकें। एसडीएम ने तुरंत ईओ को बुलाकर दो दिनों में उनकी समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही लोहापीटा समुदाय के लोगों से उन्हें उनके बच्चों को पढ़ाने की अपील भी की।

जनपद में रोज हो रहीं ताबड़तोड़ दुर्घटनाओ से लोगो की अकाल मौते

24 घण्टे के अंदर अलग अलग खूनी दुर्घटनाओं में महिला सहित 6 मरे, 3 गंभीर घायल

-जालौन औरैया रोड पर बलेनो टकराई 2 की मौत, 2 गम्भीर

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने सनसनी फैला दी। जालौन-औरैया रोड स्थित कन्हैयालाल अग्रवाल मेमोरियल स्कूल के आगे तेज रफ्तार बलेनो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराने के बाद खाई में पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए।

दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस सक्रिय हो गई। थाना प्रभारी हरिशंकर, क्लस्टर मोबाइल में तैनात उपनिरीक्षक यादराम सिंह और दोनों कोबरा मोबाइल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जालौन पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने शोएब (28) निवासी कुडेसरा थाना चरथावल जनपद मुजफ्फरनगर और इस्माइल शेख (29) निवासी लोनी जनपद गाजियाबाद को मृत घोषित कर दिया। वहीं आरिफ (27) निवासी सिकरी थाना भोपा जनपद मुजफ्फरनगर और इरशाद (30) निवासी औरंगाबाद, बिहार गंभीर रूप से घायल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को मेडिकल कॉलेज उरई रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की रफ्तार काफी तेज थी, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

चुर्खी में ट्रैक्टर पलटने से किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

जालौन के चुर्खी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम दर्दनाक सड़क हादसे में एक किसान की मौत हो गई। गेहूं बेचकर घर लौट रहे किसान का ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया, जिससे वह ट्रैक्टर के नीचे दब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चुर्खी थाना क्षेत्र के ग्राम स्वरूपपुर निवासी 48 वर्षीय वीरपाल सिंह शुक्रवार को उरई स्थित गल्ला मंडी में गेहूं बेचने गए थे। देर शाम वह ट्रैक्टर से वापस अपने गांव लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि जब वह चुर्खी रोड पर पहुंचे, तभी अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि वीरपाल सिंह ट्रैक्टर के नीचे दब गए और गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसान को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही चुर्खी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। किसान की मौत से गांव में शोक की लहर है।

ननिहाल जाते युवक की पेड़ से टकरा कर मौत बाइक, साथी गंभीर घायल

जालौन के माधवगढ़ कोतवाली क्षेत्र में शनिवार दोपहर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों युवक बाइक से ननिहाल जा रहे थे, तभी रास्ते में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। माधवगढ़ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अभिलाख मिश्रा ने बताया कि ग्राम हरौली निवासी 27 वर्षीय राहुल सिंह चौहान शनिवार दोपहर ग्राम बाऊद निवासी अपने जीजा के छोटे भाई 26 वर्षीय धरमवीर सिंह वैश्य के साथ बाइक से रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम जायघा स्थित अपने नाना छोटे सिंह के घर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि रजपुरा गांव के पास अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक उछलकर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों और ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस बुलाकर दोनों को सीएचसी पहुंचाया। सीएचसी प्रभारी डॉ. मनीष राजपूत ने बताया कि राहुल के सिर में गंभीर चोट लगने से अत्यधिक रक्तस्राव हुआ, जिससे उसकी मौत हो गई। घायल धरमवीर का उपचार जारी है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मानसिक रोगी महिला कुएं में गिरी, मौत

कुठौंद, जालौन। कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम हाजीपुर में शनिवार शाम एक महिला की कुएं में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार ग्राम हाजीपुर निवासी शिव सिंह की पत्नी वीर कुमारी (50) शनिवार शाम करीब 4:30 बजे घर से निकली थीं। कुछ देर बाद ग्रामीणों को सूचना मिली कि वह गांव के पुराने कुएं में गिर गई हैं। खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तत्काल महिला को बचाने का प्रयास शुरू किया। कई लोग कुएं में उतरे और काफी मशक्कत के बाद महिला को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतका मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और पूर्व में भी कई बार घर से बाहर चली जाती थीं। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक जगदंबा प्रसाद दुबे के निर्देश पर एसएसआई शीलबंत सिंह व उपनिरीक्षक हर्षवर्धन त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटना में खलासी की मौत

उरई । बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में डंपर के खलासी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भयावह था कि टक्कर लगते ही डंपर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही यूपीडा की राहत टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। जानकारी के अनुसार हादसा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 233 के पास हुआ। बताया जा रहा है कि एक डंपर हाईवे किनारे खड़ा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा दूसरा डंपर अनियंत्रित होकर खड़े डंपर में जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर के केबिन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चालक व खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों ने तत्काल पुलिस और यूपीडा टीम को सूचना दी। मौके पर पहुंची राहत टीम ने क्षतिग्रस्त केबिन में फंसे चालक और खलासी को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत की। काफी प्रयासों के बाद चालक को बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

ज्येष्ठ मास की अमावस्या पर महिलाओं ने की बरगद की पूजा

पति की लम्बी उम्र की कामना

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। ज्येष्ठ मास की अमावस्या को मनाए जाने वाले वट सावित्री पूजा अथवा बरगदाई पूजा में महिलाओं ने बरगद के पेड़ों पर धागा बांधकर पति की लंबी उम्र की कामना की।

आज शनिवार को सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री व्रत रखा तथा बरगद के पेड़ के नीचे बैठकर पूजा-अर्चना कर अपने पति के दीर्घायु की मंगल कामना की। पंडित देवेन्द्र दीक्षित ने बताया कि इस दिन सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लौटाने के लिए यमराज को भी विवश कर दिया था। बरगद के पेड़ के नीचे ही सावित्री ने अपने पति सत्यावान को पुनर्जीवित कराया था। तब से सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए वट सावित्री के दिन बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं। इस व्रत के दिन सत्यवान-सावित्री कथा को भी पढ़ा या सुना जाता है ।सोमवार को नगर में मोहल्ला चौधरयाना में श्रीकृष्ण मंदिर, अलखिया माता मंदिर, चंदा छाया उत्सव गृह के सामने, श्री वीर हनुमान बालाजी मंदिर विश्नोई पैट्रोल पम्प, कैलाशी देवी महाविद्यालय के पास समेत मंदिरों व आसपास लगे बरगद के नीचे पहुंचकर महिलाओं ने वट सावित्री पूजा में धूप और घी का दीप जलाकर, लाल कलावा, सुहाग का समान, कच्चा सूत, चना आदि को बरगद पर चढ़कार उसके तने के चारों ओर 108 बार धागे को बांधकर पति की लंबी उम्र की कामना की।

एसडीएम की अध्यक्षता सम्पन्न हुआ जालौन में तहसील दिवस

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जन समस्याओं को मौके पर निस्तारण के लिए तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिन्कू सिहं राही व सी ओ शैलेन्द्र कुमार वाजपेयी की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस में 74 शिकायतें पंजीकृत हुई तथा मौके पर 4 शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही की अध्यक्षता व उपजिलाधिकारी न्यायिक विश्वेश्वर सिहं व सी ओ शैलेन्द्र कुमार वाजपेयी उपस्थित में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस आये सभी फरियादियों की शिकायत पंजीकृत करायी गयी ।सभी शिकायतें पंजीकृत होने के शिकायतों की संख्या 74 पर पहुंच गयी ।हर फरियादी की शिकायत पंजीकृत होने से उन्हें समस्या के समाधान की आस बढ़ गयी। फरियादियों ने समाधान दिवस में पहुंच कर अवैध कब्जा, मारपीट, बिजली, पानी, अतिक्रमण की शिकायतें दर्ज करायी ।समाधान दिवस में सबसे ज्यादा 74 शिकायतों में सबसे ज्यादा शिकायतें राजस्व विभाग 38 , पुलिस विभाग 17, विकास 7,नगर पालिका परिषद 4, कृषि व पूर्ति विभाग 2-2, बिजली व श्रम विभाग की 1-1 व 2 अन्य शिकायत पंजीकृत हुई । पंजीकृत हुई शिकायतों में राजस्व, विकास, पुलिस व कृषि विभाग की1-1 शिकायत का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। शेष 70 शिकायतों को सम्बन्धित विभाग को सौंप दिया गया है एक सप्ताह में शिकायत का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस मौके पर तहसीलदार तारा शुक्ला, नायब तहसीलदार सतेन्द्र गुप्ता , बी डी ओ प्रशांत यादव गौरव कुमार, डां राजीव दुबे , पूर्ति निरीक्षक राजेश कुमार , जे ई बिजली नवीन कंजोलिया , जल संस्थान आलोक श्रीवास्तव, अवर अभियन्ता आर ई एस वर्षा सिंह आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण महाअभियान का हुआ समापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय जनता पार्टी का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण महा अभियान का प्रशिक्षण वर्ग जयसवाल क्लासिक गेस्ट हाउस उरई में सम्पन्न हुआ प्रशिक्षण के अंतिम सत्र के वक्ता भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मानवेंद्र सिंह रहे उन्होंने मार्गदर्शन प्रदान करते हुए संगठन की रीति-नीति, कार्यकर्ता के दायित्व एवं राष्ट्रहित में समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की शक्ति एवं राष्ट्रसेवा के संकल्प का आधार है। प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के वैचारिक एवं संगठनात्मक विकास का सशक्त माध्यम है, जो संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य करता है मेरा बूथ सबसे मजबूत पर प्रकाश डाला प्रशिक्षण वर्ग 11सत्रों में कराया गया जिसमे प्रत्येक सत्र के अलग अलग वक्ता रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने की सप्तम सत्र में मुख्य वक्ता हिमांशु दुबे प्रदेश मीडिया सह प्रभारी रहे उन्होंने मीडिया प्रबंधन का विषय रखा विधायक नीलिमा कटियार ने सरकार की उपलब्धियां की विस्तृत जानकारी दी इस अवसर पर वर्ग प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील पाठक , एमएलसी रमा निरंजन उरई सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन, पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन, क्षेत्रीय मंत्री संजीव उपाध्याय जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी सहित समस्त पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्षगण एवं ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के पेट्रोल-डीजल के आवाहन का अधिकारियों में दिखने लगा असर

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक एक ही सरकारी गाड़ी का कर रहे उपयोग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अभी हाल ही देश की जनता व सरकारी अमले से डीजल-पेट्रोल बचायें जाने का आवाहन किया था जिसका असर जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह एवं अधिकारियों में इसका असर दिखने लगा ।जिसके चलते जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक एक ही सरकारी गाड़ी का उपयोग करते हुए देखे जा रहे हैं। जबकि श्रम उपायुक्त भी अपने सरकारी आवास से कार्यालय तक पैदल चलते हुए नजर आयें। प्रधानमंत्री की अपील का अमल अधिकारियों ने सादगी और संसाधन बचत का संदेश दिया। जिला मुख्यालय उरई में प्रशासनिक अधिकारियों की यह पहल चर्चा का विषय बनी हुई है तो वहीं आम जनता इस पहल सराहना करती हुई देखी जा रही है। पर्यावरण संरक्षण और ईंधन की बचत को लेकर भी दिया गया संदेश माना जा रहा है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, मौके पर मिला त्वरित समाधान

खतौनी में नाम त्रुटि का तत्काल सुधार, फरियादियों को मिली बड़ी राहत

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। तहसील उरई सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 41 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई। शेष शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ।जनसुनवाई के दौरान ग्राम रंगोली निवासी कमलेश एवं मुलुपुरा निवासी श्रीराम ने खतौनी में नाम त्रुटिपूर्ण दर्ज होने की शिकायत प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल नाम संशोधन की कार्रवाई कराई और स्वयं अपने हाथों से संशोधित खतौनी दोनों फरियादियों को सौंपी। त्वरित कार्रवाई से फरियादियों ने प्रशासन के प्रति संतोष व्यक्त किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। इसके बाद उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, उप जिलाधिकारी ज्योति सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीरेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भागवत कथा में कृष्ण सुदामा की मित्रता का सार सुन कर लोग हुए भावुक

भागवत कथा के अंतिम दिन रविवार को होगा भंडारा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कोंच तहसील के अंतर्गत पड़ने वाले ग्राम कैलिया इन दिनों भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर है। गांव में गौरव महाराज के सान्निध्य में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा का रसपान कर रहे हैं। कथा के अंतिम दिन भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा की मार्मिक मित्रता का प्रसंग सुनाया गया, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया। कथा पंडाल में ऐसा वातावरण बन गया कि अनेक श्रोताओं की आंखें नम हो गईं और पूरा परिसर 'राधे-राधे' तथा 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष से गूंज उठा। कथावाचक आचार्य मनोज अवस्थी जी ने अत्यंत सरल और भावपूर्ण शब्दों में श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि सच्ची मित्रता धन-दौलत, पद और प्रतिष्ठा की मोहताज नहीं होती, बल्कि प्रेम, विश्वास और त्याग पर आधारित होती है। जब सुदामा निर्धनता और कठिन परिस्थितियों से घिरे हुए थे, तब भी उनके मन में अपने मित्र श्रीकृष्ण के प्रति अपार प्रेम और सम्मान था। दूसरी ओर द्वारिकाधीश बनने के बाद भी भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बालसखा को उसी आत्मीयता और प्रेम से अपनाया। आचार्य मनोज अवस्थी जी ने कथा के दौरान बताया कि आज के समय में मित्रता का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। लोग स्वार्थ के आधार पर रिश्ते बना रहे हैं और छोटी-छोटी बातों में संबंध टूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि पहले मित्रता जीवनभर निभाई जाती थी, लेकिन आज के आधुनिक दौर में दिखावा और मतलब रिश्तों पर हावी होता जा रहा है। श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता हमें यह सिखाती है कि सच्चा मित्र वही होता है जो सुख-दुख हर परिस्थिति में साथ खड़ा रहे।

कथा के दौरान जब सुदामा के द्वारिका पहुंचने का प्रसंग सुनाया गया तो श्रोता भावुक हो उठे। आचार्य जी ने बताया कि सुदामा अत्यंत गरीब थे और कई दिनों तक भोजन तक उपलब्ध नहीं होता था। उनकी पत्नी ने आग्रह किया कि वे अपने मित्र श्रीकृष्ण से मिलने द्वारिका जाएं। घर में देने के लिए कुछ नहीं था, इसलिए पड़ोस से चावल मांगकर लाए गए और उन्हें पोटली में बांधकर सुदामा अपने मित्र से मिलने निकल पड़े। जैसे ही श्रीकृष्ण को यह ज्ञात हुआ कि उनके प्रिय सखा सुदामा द्वार पर आए हैं, वे राजसी मर्यादाएं छोड़कर नंगे पांव दौड़ पड़े और अपने मित्र को गले लगा लिया। कथा के इस प्रसंग का वर्णन करते समय पूरा पंडाल भावुक हो गया। आचार्य जी ने कहा कि भगवान ने यह संदेश दिया कि प्रेम और मित्रता में ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी का कोई स्थान नहीं होता। सच्चे रिश्तों में केवल अपनापन और समर्पण होता है। उन्होंने आगे कहा कि आज की पीढ़ी को श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। सोशल मीडिया और आधुनिक जीवनशैली के कारण रिश्तों में दूरी बढ़ती जा रही है। लोग हजारों मित्रों की सूची तो बना लेते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में सच्चे मित्र बहुत कम रह गए हैं। उन्होंने कहा कि मित्रता केवल साथ घूमने-फिरने या हंसी-मजाक का नाम नहीं, बल्कि एक-दूसरे की भावनाओं को समझने और संकट के समय सहयोग करने का नाम है।कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं ने बड़े ध्यान और श्रद्धा के साथ प्रसंग को सुना। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं सहित बच्चों में भी कथा को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। कथा पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और भक्ति संगीत के बीच वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने कथा के बाद भगवान श्रीकृष्ण की आरती में भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया।आचार्य मनोज अवस्थी जी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में प्रेम, भाईचारा और मित्रता की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता है। यदि मनुष्य अपने जीवन में सच्चे संबंधों का महत्व समझ ले, तो परिवार और समाज दोनों में सुख-शांति बनी रह सकती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। कथा आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि सात दिवसीय कथा में प्रतिदिन अलग-अलग प्रसंग सुनाए जा रहे हैं और दूर-दूर से श्रद्धालु कथा सुनने पहुंच रहे हैं। कथा के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। ग्रामीणों में कथा को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है और पूरा गांव धार्मिक रंग में रंगा हुआ है। कथा के अंत में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता का यह प्रसंग न केवल लोगों को भावुक कर गया, बल्कि उन्हें जीवन में सच्चे रिश्तों का महत्व भी समझा गया। कथा से प्रेरणा लेकर लोगों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में प्रेम, मित्रता और मानवीय मूल्यों को सदैव बनाए रखेंगे। रविवार को कथा के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर अजय श्रीवास्तव , ओम प्रकाश राठौर , मनीष राज , अशोक राठौर , सलिल तिवारी , पूर्व जिलाध्यक्ष बीजेपी जगदीश तिवारी , एमएलसी रमा निरंजन , आर पी निरंजन , हिमांशु दुबे आदि भक्तगण उपस्थित रहें।

बडा सवाल आखिर कब दिन बहुरेंगे चीनी मिल के दिन

माधौगढ़ के किसानों के विकास की सत्ताधारी जनप्रतिनिधियों को नहीं है तनिक भी चिंता

- गन्ना उत्पादन का घटता जा रहा है क्षेत्र
- मिल चालू न होने से गन्ना किसानों में है घोर निराशा

(यंग भारत न्यूज)

उरई कार्यालय (जालौन) माधौगढ तहसील क्षेत्र के गन्ने की फसल बहुतायत को देखते हुए बुंदेलखंड विकास निधि से 1972 में अठारह लाख रूपये की लागत से मिनी शुगर मिल बनाई गई थी ताकि गन्ने की फसल की बर्बादी को रोका जा सके उक्त मिल स्थापित होने से 150 लोगों से अधिक को रोजगार मिला था इस मिल से बनाई गई चीनी उत्तर प्रदेश सरकार को भेजी जाती थी जिसका वितरण कंट्रोल के जरिए आमजनता को राशन कार्ड के माध्यम से वितरित की जाती थी उस समय चीनी का दाम ढाई रूपए प्रति किलोग्राम था जिससे से आमजनों को सीधे सहूलियत मिली थी किंतु शुगर मिल के कर्मचारियों द्वारा इतना अधिक गन्ना खरीदा गया जिसकी पिराई बीस बीस दिन तक नहीं हो पाती थी जिससे गन्ने का वजन घट जाता था 1985 तक यह मिल का संचालन विधिवत हो चला आया अंत में इसे घाटा दिखाकर बंदकर दी गयी इसमे काम करने वाले लोग बेरोजगार हो गये समूचे जनपद में एक मात्र विकास के लिए यही मिल थी प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उस समय के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम मोतीलाल बोरा के उरई आगमन पर इस मिल को चालू कराए जाने हेतु उस समय के वरिष्ठ नेता रामकुमार द्विवेदी अंढाई द्वारा महामहिम को ज्ञापन देकर उक्त मिल को चालू कराने का अनुरोध किया गया लेकिन छ माह बाद उत्तर प्रदेश से राष्ट्रपति शासन समाप्त होने के बाद यह प्रकरम ठंडे बस्ते में चला गया। नई सरकार बनने के बाद कुछ मंत्रियो की नजर इस शुगर मिल पर लग गई और प्रशासन से सांठगांठ कर नीलामी की प्रतिक्रिया शुरू कर दी गई इसकी भनक लगते ही श्री अंढाई द्वारा उक्त प्रकरण मंडलायुक्त झांसी के संज्ञान में लाया गया कमिश्नर के आदेश पर जनता के विरोध को देखते हुए उक्त नीलामी प्रतिक्रिया पर रोक लग गई लेकिन तत्कालीन एक सरकार के मंत्री राधेश्याम गुप्त द्वारा एडीएम जालौन पर दबाब बनाकर रातोरात गुपचुप तरीके से चार लाख रूपये में नीलामी बताई जा रही है। और मंत्रियों के आदमियों द्वारा रात के समय टक लाकर मिल की मशीनें उखाड ली गई। मय जेनरेटर के इस मिल का सारा सामान घाटम पुर कानपुरदेहात पहुंचा दिया गया सुबह जब आम लोगों को यह जानकारी हुई तो शुगर मिल को देखा गया तो वहां महज टीनसेट का ढांचा खडा मिला और मशीनों समेत सभी सामान गायब था घटना की तत्कालिक जानकारी रामकुमार द्विवेदी द्वारा जिलाधिकारी को दी गई लेकिन सत्ता के दबाव में जिलाधिकारी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई इस संबंध में श्री अंढाई ने बताया कि इस मिल में आठ लाख रूपये की कीमत के जेनरेटर थे जिनकी पैकिंग भी नहीं खुली थी इस संबंध मे उन्होने बताया कि यदि यह जेनरेटर माधौगढ जलकल विभाग को दे दिए जाते तो बिजली न आने की स्थिति पूरे माधौगढ को पानी की सप्लाई की जा सकती थी यहां उल्लेखनीय है कि नीलामी शुगर मिल मशीनों की की गयी थी न कि जेनरेटर की लेकिन सत्ता के दबाव में रातोरात गुपचुप तरीके से जेनरेटर भी उठवा लिए गये तब से लेकर आजतक बराबर इस मुद्दे जन प्रतिनिधियों के बीच उठाया जाता रहा है पिछले विधान सभा चुनाव में तब यह मुद्दा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समकक्ष उठाया गया था तब उन्होने पूर्णत आश्वत किया था कि शुगर मिल शीघ शुभारंभ होगी लेकिन आज तक कोई भी कार्यवाही मिल चालू करने के संबंध मे नही कराई गई हैं। समय समय पर मंत्री सांसद विधायकों को इस ओर पहल करने की मांग की गई लेकिन अभी तक इस मुद्दे पर कान पर जूं नही रेंगा जबकि विधायकी का चुनाव लडने वाले प्रत्याशी अपने घोषणा पत्र में इस मिल को चालू कराने की बात प्रथम नं पर बरीयता देते है। जो हवाई और खोखली साबित होती है वर्तमान में यहां बाहर से आए हुए गन्ना व्यापारी खांडसारी कांटा लगाए हुए है। जो गन्ना किसानों का भुगतान भी समय पर न करके चक्कर कटवाते है। गुड की प्रसिद्ध मंडी के रूप में विख्यात माधौगढ कस्बे में चार बीघा में स्थापित यह मिल बीरान पडे हुई है। कुछ लोगों की नजर उक्त स्थल पर लगी हुई है।

समाधान दिवस में फरियादियों की 21 शिकायतें प्रस्तुत, 6 का मौके पर निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। शनिवार को उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर फरियादियों के द्वारा 21 शिकायते प्रस्तुत की गई। जिसमें सबसे अधिक राजस्व की 06 तथा पुलिस विभाग के 04 मामले शामिल हैं। मौके पर 06 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

तहसील सभाकक्ष मे सुवह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले समाधान दिवस में एसडीएम, तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी तथा नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला के समक्ष सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य ने विद्यालय में इंटरलॉकिग बिछाने की मांग की। शिवचरण निवासी ग्राम सिम्हारा कासिमपुर ने खेत में नाली को विपक्षी द्वारा तोड़ने की शिकायत की गई जबकि राम प्रकाश ग्राम मढैया ने निजी नलकूप में मानक के विपरीत बोरिंग करने की शिकायत की। गया प्रसाद निवासी मोहल्ला तरीबुल्दा न प्रार्थी की जमीन में पिलर खोदने की शिकायत की गयी।महेंद्र सिंह निवासी ग्राम चरसोनी ने सरकारी नाली में विपक्षियों के द्वारा अवैध निर्माण निर्माण को हटाने की मांग की गयी।कपिल शुक्ला सभासद निवासी मोहल्ला मिर्जा मंडी में घरों में पानी न आने की शिकायत की गई है। उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने पिछले समाधान दिवस में आये प्रार्थना पत्रों के विभाग वार निस्तारण की समीक्षा की। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का मौके पर जाकर के गुणवत्ता पूर्वक समाधान कराया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की हीला हवाली नहीं होनी चाहिए। राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह सेंगर, प्रमोद दुवे, नगर पालिका परिषद के अवर अभियंता प्रवीण कुमार मौर्या, विधुत विभाग के उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सचान, खंड शिक्षा अधिकारी रंगनाथ चौधरी, जल संस्थान के अवर अभियंता वासित अली, स्टैनो सलीम खान, तहसील के प्रशासनिक अधिकारी धीरज पुरवार, कालपी कोतवाली कालपी के सब इंस्पेक्टर इंस्पेक्टर अवनीश कुमार के अलावा कदौरा, आटा तथा चुरखी के थानेदारों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

वट सावित्री पर्व के पावन पर्व पर सुहागन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र के लिए बट वृक्ष की पूजा अर्चना

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन, आज नगर कुठौंद के थाना परिसर और मेन बाज़ार में प्राचीन वट वृक्ष पर सुहागिन महिलाओं और पुलिस प्रशासन की बहिनों के साथ हिन्दू हृदय सम्राट जनप्रिय पूजा शुक्ला नेता जी ने व्रत रखकर अमावस्या व्रत पूजा मुहूर्त वट सावित्री व्रत के साथ में बरगद की पूजा अर्चना कर कन्याओं को फल एवं मिष्ठान दान कर महिलाएं वट सावित्री पर्व के पावन अवसर पर आपस में एक दूसरे से भेंट कर शुभकामनाएँ प्रेषित की भाजपा महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष पूजा शुक्ला ने ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या तिथि के बारे में बहिनों को बताया की वट अमावस्या या वट सावित्री अमावस्या (बड़मावस) से है यह सुहागिन महिलाओं का एक बेहद पवित्र त्योहार है जो पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य के लिए मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं वट वृक्ष पर महिलाओं की आने जाने की भीड़ बनी रही

उपभोक्ता सहायता शिविरों में जागरूक कर समस्याओं का निस्तारण किया गया

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के के निर्देशन के अनुरूप उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सचान की अध्यक्षता में ग्रामों तथा नगरीय क्षेत्र के मुहल्लों में उपभोक्ता सहायता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के बारे में जानकारियां देते हुए जागरूक किया गया।मामले में निस्तारित किए गए।

शनिवार को नियामतपुर विधुत सब स्टेशन के अवर अभियंता नवीन सचान की अगुवाई में कई गांवों में उपभोक्ता सहायता शिविर आयोजित किया गया। शनिवार को कालपी के मुहल्ला दमदमा में आयोजित शिविर में एसडीओ के अलावा अवर अभियंता कालपी सत्य प्रकाश गौतम, टीजीटू अभिषेक धीर,विनोद कुमार, अरबाज खान आदि ने उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनकर निस्तारण किया। शिविर में स्मार्ट मीटरों के मामले अधिक प्रस्तुत हुए। इस दौरान उपभोक्ताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबरों को सही करने की कार्रवाई की गई। उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सचिन ने बताया कि आधिकारिक निर्देशक 15 से लेकर 20 मई तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह उपभोक्ता सहायता शिविरों का आयोजन करके जानकारियां दी जाएगी तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनकर निस्तारण किया जाएगा

मामूली कहासुनी ने लिया हिंसक रूप, हाईवे पर युवकों में जमकर मारपीट

कालपी में गुंडों के बड़े हुए हैं मन, वायरल वीडियो के आधार पर जांच में जुटी कालपी पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जालौन जिले के कालपी कोतवाली क्षेत्र में झांसी-कानपुर नेशनल हाईवे-27 पर मामूली कहासुनी ने उस समय उग्र रूप ले लिया, जब दो पक्षों के युवक आपस में भिड़ गए। दुर्गा मंदिर के पास हुई इस घटना में दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। युवकों ने एक-दूसरे को नाले के कीचड़ में पटक-पटक कर पीटा, जिससे हाईवे पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले मामूली विवाद हुआ था, लेकिन देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि युवक सड़क पर ही भिड़ गए। वायरल वीडियो में युवक कीचड़ में गिरकर एक-दूसरे पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। बीच सड़क पर हो रही मारपीट के कारण हाईवे पर यातायात भी कुछ समय के लिए प्रभावित रहा और राहगीरों में दहशत का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन युवक इतने आक्रोशित थे कि किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे। इसी दौरान किसी राहगीर ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब इंटरनेट मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद कालपी पुलिस भी सक्रिय हो गई है। कालपी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर युवकों की पहचान कराई जा रही है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एक राय होकर जान से मारने की नीयत से किया 5 हमलावरों ने कुल्हाड़ी से हमला

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम महेवा में एक राय होकर कुल्हाड़ी से हमला करके घायल करने के प्रकरण में पीड़ित के द्वारा 5 नामजदों के विरुद्ध अभियोग दर्ज कराया गया है। इस मामले की विवेचना सब इंस्पेक्टर ओंमकार सिंह को सौंपी गई है। उक्त प्रकरण को लेकर वादी भुरे सिंह पुत्र रूप सिंह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि दिनांक 14.05.2026 समय सुबह 6 बजे मेरे घर के अंदर आरोपी तेज सिंह, संजू पुत्रगण नन्हे सिंह जय प्रकाश पुत्र तेज सिंह मानवेंद्र सिंह पुत्र संजू, शीलू पुत्र अज्ञात अपने अपने धारदार हथियार कुल्हाड़ी ओर लाठी डंडा लिए हुए थे। उक्त व्यक्तियों ने मेरे घर में घुसकर मेरे भतीजे अनुज व रवि धारदार हथियार कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया दोनों लोगों ने सर में कुल्हाड़ी से हमला किया इस हमले में मुझे व मेरे परिवार के सदस्य चरन सिंह पुत्र विशंभर ओर मेरी पुत्री कुमारी दीपा को लाठी डंडों से बुरी तरह मारा व पीटा व गली गलौज की आरोपी जयप्रकाश हाथ में हथियार कुल्हाड़ी लिए था पूर्व में दो दिन पहले खेत में मामूली सा विवाद हुआ था। उक्त लोग दबंग किस्म के लोग है। प्रार्थी चिल्लाया तो गांव के लोग कन्हैया सिंह व राम शोभाराम सिंह और गांव के अन्य लोग आ गए जाते समय आरोपी धमकी दे गए कि छोड़ेंगे नहीं सभी को जान से मार देंगे।

18 क्वार्टर नाजायज शराब समेत युवक गिरफ्तार

कालपी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रही है अवैध शराब की तस्करी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। तहसील कालपी क्षेत्र के अल्मोडा डेरा में थाना आटा पुलिस के सब इंस्पेक्टर अनुपम मिश्रा की पुलिस टीम ने घेरा बंदी करके 18 अदत नाजायज शराब लेकर बैठे एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस टीम हिस्ट्रीशीटर विक्रम की तलाश में उसके घर पर गई थी हिस्ट्रीशीटर घर पर नही मिला चारपाई में एक व्यक्ति बैठा हुआ था जिसके हाथ में बोरी थी जो पुलिस टीम को देखकर उठकर जाने लगा कि हमराही की मदद से मौके पर ही पकड़ लिया। नाम पता पूछते हुए जामा तलाशी ली गई तो अपना नाम मइयादीन पुत्र सुक्खी निवासी अल्मोड़ा डेरा (परासन) थाना आटा जिला जालौन उम्र करीब 50 वर्ष बताई जामा तलाशी से दाहिने हाथ में लिए बोरी में 18 अदद क्वार्टर शराब ठेका ट्विन टावर मार्का जिसमें धारिता 200 मिली व तीव्रता 36 डिग्री मेड इन इंडिया सीरा निर्मित देसी मदिरा मूल्य 80 उत्तर प्रदेश बिक्री के लिए बरामद हुए। इसके संबंध में लाइसेंस तलब किया गया तो नहीं दिखा सका। जिस पर पुलिस ने आबकारी एक्ट धारा 60 के तहत चालान कर जेल भेज दिया।

शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण हो लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त - एसडीएम

सम्पूर्ण समाधान दिवस में आईं 23 शिकायतों में 2 का हुआ निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

उरई कार्यालय(जालौन) तहसील माधौगढ के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य की अध्यक्षता एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी अम्बुज सिंह यादव व संदीप मिश्रा खंड विकास अधिकारी माधौगढ की मौजूदगी में किया गया। शिकायत कर्ता सतेन्द्र सहबाजपुर ने चकमार्ग खुलवाए जाने की मांग की धनवेन्द्र सिंह दाबर ने अवैध कब्जा की जगह की पैमाईश कराने की मांग की है। महेंन्द्र सिंह इटवां कनार ने विपक्षी का दरवाजे के सामने अवैध निर्माण कार्य बंद कराने एवं कानूनी कार्यवाही करने की बात कही है। विपिन कुमार इटवां कनार ने विपक्षी पर आरोप जडा कि वह जबरन दबंगई के बल पर मेरे आवासीय पटटे पर कब्जा कर रहा है कब्जा हटवाने की बात रखी है। प्रभा देवी पिचौरा किरन कुमारी गोहन ने खेत की पैमाईश कराने की बात रखी है। कप्तान सिंह गोहन ने मौजा केशोपुर की सरकारी नाली गाटा संख्या 215 खुलवाए जाने के मुद्दे को रखा राजेश रेंढर ने परवाना अमलदरामद कराने की गुहार लगाई है। मुकेश बाथम सोप्ता ने हदबंदी पत्थर गड्डी कराए जाने की मांग की है। सुरेश चंद्र ऊमरी जागीर ने गाटा विस्मार करने की शिकायत दर्ज कराई है गिरजाशंकर रामपुरा ने रास्ते मे लगे हैंडपंप को अन्यत्र लगाए जाने की बात रखी है। दयाशंकर बहराई ने आवासीय पटटे की मांग की है। गिरीन्द्र गोहन ने नाली की पैमाईश कराने की मांग की हैं। तौसीब गोहन ने मौजा सरावन की सरकारी नाली और चकरोड की नाप कराए जाने और सुरक्षित और संरक्षित कराए जाने की बात कही है। राजकुमार सिंह गोहन ने विपक्षी पर आरोप जडा कि वह जबरन हमारे प्लाट पर कब्जा कर रहा है अवैध कब्जा हटवाने की गुहार लगाई है। ग्रेट इंडिया महासभा ने गोहन कुठौंद सडक मार्ग को चौडीकरण कराए जाने की गुहार लगाई है। कैलाश चंद्र द्विवेदी एडवोकेट ने लंबित पत्रावलियों के मुद्दे को उठाया है। कुल मिलाकर 23 शिकायतें दर्ज कराई गई उक्त शिकायतों में 2निस्तारण किया गया। उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने सभी अधीनस्थों के पेंच कसते हुए साफ तौर पर निर्देशित किया हैं कि समस्याओं का समाधान समयानुसार गुणवत्तापूर्ण शिकायत कर्ता की मौजूदगी में संतुष्टिपूर्ण हो किसी भी तरह की हीलाहवाली किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही की जाएगी इस मौके पर ज्ञान प्रकाश अवस्थी खंड शिक्षा अधिकारी माधौगढ मुक्तेश कुमार गुप्ता खंड शिक्षा अधिकारी रामपुरा भुवनेन्द्र कुमार नायब तहसीलदार शिवकरन सिंह उपनिरीक्षक माधौगढ भारत सिंह सहायक विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह एआरओ माधौगढ संदीप सिंह राजावत अध्यक्ष लेखपाल संघ कल्लू सिंह महामंत्री मंसूर खान अजीत यादव शिवम शांडिल्य समेत अन्य विभागों के अधिकारियों का अमला मौजूद रहा है

कालपी से मनचले आशिक 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी को भगाने में हुए सफल

-पुलिस नही रोक पा रही है छोटी छोटी लड़कियों को भगा ले जाने का सिलसिला

-नामजद आरोपी के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जोल्हुपुर मोड़ में 14 वर्षीय किशोरी को बहला फुसलाकर भगा कर ले जाने के मामले में पीड़ित पिता के द्वारा पुलिस में नामजद आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज कराया गया है। इस प्रकरण की विवेचना ज्ञान भारती चौकी इंचार्ज विपिन कुमार को सौंपी गई है। उक्त मामले में पीड़ित पिता ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि प्रार्थी 14 वर्षीय पुत्री को दिनांक 10.05.2026 को को दिन में करीब 12, बजे घर से किसी को कुछ भी बिना बताए चली गई है। मेरे तथा मेरे परिवार के व्यक्तियों के द्वारा पुत्री को काफी खोजा गया परंतु मेरी पुत्री कही नहीं मिली कुछ लोगों के द्वारा प्रार्थी को जानकारी मिली है कि मेरी पुत्री को आरोपी राहुल कुमार पुत्र रमेश निवासी नया पटेल नगर उरई बहला फुसलाकर भगा ले गया है।

दुर्घटना में घायल की ओर से बुलेरो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। पिछले महीने नेशनल हाईवे गल्ला मंडी कालपी के सामने टक्कर मारने से कार सवार दो युवकों को घायल करने को लेकर पीड़ित पक्ष के द्वारा बोलेरा कार चालक के खिलाफ कोतवाली ने मुकद्दम दर्ज कराया गया है। इस दुर्घटना के मामले की विवेचना सब इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह भदौरिया के द्वारा की जा रही है। उक्त सम्बन्ध में वादिनी कोमल पुत्री ओम प्रकाश पत्नी अरुण कुमार द्विवेदी निवासी वार्ड नंबर 18 गायत्री नगर गंगा घाट उन्नाव प्रार्थीनी का भाई अभय मिश्रा उम्र 22 वर्ष ओर विशाल तिवारी उम्र 21 वर्ष पुत्र पंकज तिवारी निवासी वार्ड नंबर 18 गायत्री नगर गंगा घाट उन्नाव दिनांक 29.04.2026 को सुबह वाहन संख्या यूपी 78 ईएम 8384 कार कालपी के पास पहुंचे तभी गलत दिशा से तेजी व लापरवाही से बिना किसी यातायात नियम का पालन किए एक बुलेरो गाड़ी संख्या यूपी 77 एएच 1834 के ड्राइवर ने सामने से टक्कर मार दी जिससे प्रार्थीनी के भाई अभय मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। अभय मिश्रा के दोनों पैर टूट गए। व विशाल तिवारी का एक पैर टूट गया। जिनका इलाज चल रहा है।

2000 रु. किराया नहीं दे सका तो पति ने मकान मालिक से करवाया पत्नी-बेटी का रेप?

(यंग भारत न्यूज)

गांधीनगर। गुजरात के मोरबी जिले से एक ऐसी खबर आई है, जिसे सुनकर किसी का भी दिल दहल जाए। पुलिस ने खुलासा किया है कि एक आदमी ने कथित तौर पर सिर्फ 2000 रुपये महीने का किराया नहीं चुका पाने की वजह से अपनी पत्नी और 13 साल की बेटी का मकान मालिक और उसके एक रिश्तेदार से बार-बार रेप करवाया।

इस घटना के सामने आने के बाद चारों तरफ गुस्सा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीड़ितों की मां और दादी ने 1 मई को मोरबी सिटी ए डिवीजन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि यह परिवार करीब छह महीने पहले काम की तलाश में मोरबी आया था। उन्होंने 2000 रुपये महीने पर एक घर किराए पर लिया था। जांच करने वाले अधिकारियों का कहना है कि किराएदार के बिजनेस को नुकसान हुआ और उस पर किराए का बकाया चढ़ता गया। शिकायत में कहा गया है कि मकान मालिक ने परिवार की इसी आर्थिक तंगी का फायदा उठाया। पुलिस का आरोप है कि पति इस घिनौने काम के लिए राजी हो गया, जिसके बाद मकान मालिक ने महिला और उसकी बेटी के साथ बार-बार रेप किया। घटना के वक्त लड़की की उम्र 13 साल 7 महीने बताई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, यह वारदात किराए के घर, मकान मालिक के घर और टंकारा में एक और जगह पर हुई। मकान मालिक के रिश्तेदार पर भी महिला से रेप का आरोप है। मोरबी सिटी ए डिवीजन के पुलिस इंस्पेक्टर वाई. बी. जडेजा ने टीओआई को बताया कि किराएदार पति को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था और वह फिलहाल जेल में है। 55 साल के मकान मालिक को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया और बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मकान मालिक के उन रिश्तेदारों की तलाश की जा रही है, जिन्होंने इस जुर्म में मदद की और अब फरार हैं। जांच अधिकारियों ने पुष्टि की है कि पीड़ितों और आरोपियों की मेडिकल जांच पूरी हो चुकी है, साथ ही वैज्ञानिक सबूत और क्राइम सीन से जुड़े दस्तावेज भी जुटा लिए गए हैं। इस मामले को लेकर ऑनलाइन भी लोगों में भारी गुस्सा है और कई तरह की चिंताएं जताई जा रही हैं।

'ये तनखइया हैं, इनसे जूते साफ कराऊंगा...', आजम खान को कोर्ट से बड़ा झटका, डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में दोषी करार

(यंग भारत न्यूज)

रामपुर। प्रदेश के रामपुर में समाजवादी पार्टी नेता आजम खान की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए विवादित बयान को लेकर कोर्ट ने उन्हें दोषी करार माना है। आजम खान ने विवादित बयान देते हुए कहा था, 'ये तनखइया हैं,इनसे जूते साफ कराऊंगा' केस में अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया है।

चुनाव प्रचार के दौरान आजम खान का ये बयान काफी वायरल हुआ था, जिसके बाद चुनाव आचार संहिता में इस मामले में शिकायत कर दर्ज करवाई गई थी।

दरअसल, साल 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान आजम खान ने चुनावी सभा के दौरान तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था (सब डटे रहो, यह कलेक्टर पलेक्टर से मत डरियो, यह तन्खईया है तन्खईयों से नहीं डरते और देखे हैं कई मायावती जी के फोटो कैसे बड़े-बड़े अफसर रूमाल निकाल कर जूते साफ कर रहे हैं। हां उन्हीं से है गठबंधन उन्हीं के जूते साफ कराऊंगा इनसे अल्लाह नें चाहा)। वीडियो वायरल होने के बाद चुनाव आयोग ने आजम खान पर संज्ञान लिया और राज्य निर्वाचन आयोग से रिपोर्ट तलब की। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई के निर्देश दिए। तत्कालीन जिलाधिकारी एवं वर्तमान में कमिश्नर मुरादाबाद आन्जनेय कुमार सिंह के आदेश पर तत्कालीन एसडीएम टांडा एवं चमरौआ विस क्षेत्र के ऋ घनश्याम त्रिपाठी ने भोट थाने में केस दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी, सुनवाई पूरी होने और गवाहों के बयान होने के बाद अब कोर्ट ने फैसला सुनाया है। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने पुरजोर तरीके से अदालत के सामने दलील रखी कि आजम खान ने सार्वजनिक मंच का उपयोग कर एक ऑन-ड्यूटी सरकारी अधिकारी के खिलाफ जिस तरह की भाषा का प्रयोग किया, वह न सिर्फ अमर्यादित है बल्कि कानूनन गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। अदालत ने दोनों पक्षों की लंबी बहस और सबूतों को देखने के बाद आजम खान को दोषी माना।

डार्लिंग, तुम्हारे लिए 2 पेपर आउट कर दिए, अब कब आओगी मिलने ?

लखनऊ यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर का ऑडियो वायरल

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। विश्वविद्यालय में एक असिस्टेंट प्रोफेसर और छात्रा के बीच कथित आपत्तिजनक बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस सक्रिय हो गई है। वायरल क्लिप में परीक्षा के पेपर 'आउट' करने की बात भी सामने आने से मामला और गंभीर हो गया है।

जियोलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर परमजीत सिंह पर आरोप है कि उन्होंने एक छात्रा से निजी और अनुचित बातचीत की। ऑडियो क्लिप में प्रोफेसर छात्रा को आर्थिक मदद और अन्य सुविधाएं देने की बात करते हुए बार-बार मिलने के लिए दबाव बनाते सुनाई दे रहे हैं। बातचीत के दौरान प्रोफेसर कथित तौर पर कहते हैं कि उन्होंने छात्रा के लिए 'दोनों पेपर आउट कर लिए हैं' और परीक्षा से पहले मिलने आने को कहते हैं। छात्रा कई बार घर और परीक्षा का हवाला देकर मिलने में असमर्थता जताती है, लेकिन प्रोफेसर लगातार मिलने का आग्रह करते रहते हैं। बताया जा रहा है कि छात्रा ने ही इस ऑडियो को सार्वजनिक किया ताकि प्रोफेसर की कथित गतिविधियों को सामने लाया जा सके। ऑडियो वायरल होने के बाद विश्वविद्यालय परिसर में चर्चा तेज हो गई और छात्रों के बीच नाराजगी देखी गई।मामले में परीक्षा से जुड़े कथित खुलासों ने भी विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर ऐसे समय में जब देशभर में परीक्षा सुरक्षा को लेकर पहले से बहस जारी है। उत्तर प्रदेश पुलिस की हसनगंज थाना पुलिस ने विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां वायरल ऑडियो की सत्यता, उसमें की गई बातचीत और परीक्षा से जुड़े दावों की जांच कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि तकनीकी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले को गंभीर बताते हुए आंतरिक शिकायत समिति को जांच सौंपी है। कुलपति जे.पी. सैनी ने समिति को 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि संस्थान की गरिमा और छात्रों की सुरक्षा से समझौता करने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन कर आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। छात्रों ने आरोप लगाया कि यदि परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों और छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो शिक्षा व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होगा।

प्राइवेट पार्ट में लोहे की रेती..! डंडे से टूटी खोपड़ी की हड्डी, प्रेम विवाह का खौफनाक अंत, झकझोर देगा दिल

(यंग भारत न्यूज)

अंबिकापुर। अंबिकापुर से लगे के ग्राम भिठीकला हर्रा टिकरा में 14 मई 2026 को एक 23 साल की युवा महिला हीराबाई की उसके पति ने निर्मम हत्या कर दी. परिजनों के अनुसार प्रदीप अगरिया ने पत्नी की बेरहमी से पीटा और जानलेवा हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया.

घटना के बाद आरोपी ने शव को मोटरसाइकिल के पीछे बांधकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया और चिकित्सकों को कहानी सुनाई कि दुर्घटना हो गई है. चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया, उसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. परिजनों ने बताया कि आरोपी ने अस्पताल में कहा था कि यह एक दुर्घटना है. हालांकि, शार्ट पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच में स्पष्ट तौर पर बर्बरता का खुलासा हुआ. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है. आरोपी पति फरार है और उसकी पतासाजी की जा रही है. 15 मई 2026 को मेडिकल कॉलेज के फोरेंसिक विभाग की टीम ने जब पोस्टमार्टम किया तो ऐसे तथ्य सामने आए कि चिकित्सकों की भी रूह कांप गई. फॉरेंसिक विभाग के एचओडी डॉ. संटू बाग ने बताया कि मृतिका तीन माह की गर्भवती थी. पोस्टमार्टम में पाया गया कि उसके प्राइवेट पार्ट में लोहे का लगभग 27 सेंटीमीटर लंबा लोहे का रेती घुसाया गया था. सिर पर मोटे लकड़ी के डंडे से किए गए प्रहारों के कारण खोपड़ी की हड्डी टूट चुकी थी. शरीर पर कुल 18 स्थानों पर गंभीर चोटों के निशान थे. जांघों के पास के निशान और अन्य चोटों के आधार पर विशेषज्ञों ने कहा कि संभवत: आरोपी ने लोहे की रेती को अंदर धकेलने के लिए महिला के पेट/जांघों को लात मारी, जिससे गर्भ में मौजूद शिशु की भी मौत हो गई. मृतिका सकरिया गांव, लखनपुर निवासी हीराबाई ने भिठीकला हर्राटिकरा, मणीपुर निवासी प्रदीप अगरिया से प्रेम विवाह किया था. दंपति के चार बच्चे हैं. जिनमें से दो जुड़वा जो करीब डेढ़ वर्ष के बताए गए. हीराबाई चौथी बार गर्भवती थी. परिजनों ने बताया कि प्रदीप अक्सर पत्नी के साथ मारपीट करता था और पहले भी टांगी से हमले कर उसे गंभीर रूप से घायल कर चुका है. गांव में उसके आचरण को लेकर कई शिकायतें मौजूद थीं. परिजनों के अनुसार वारदात के समय चारों बच्चे घर पर मौजूद थे और उन्होंने चीख कर मदद की गुहार लगाई, लेकिन कोई पड़ोसी या ग्रामीण मदद के लिए नहीं आया. आरोपी ने मृतक को बाइक में बांधकर अस्पताल पहुंचाया, उस दौरान बच्चों ने लोगों को बताया कि उनकी मां के साथ मारपीट हुई है. यह सूचना मायके पक्ष तक पहुंची और परिजन मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय पहुंचे, जहां उन्हें महिला का शव मिला सरगुजा पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है.

पुलिस कांस्टेबल पर हिंदू महिला से रेप के आरोप, बच्ची के सामने हो जाता था नंगा, धर्म परिवर्तन की भी कोशिश

(यंग भारत न्यूज)

गुजरात के राजकोट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। राजकोट पुलिस ने एक हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है, जिस पर पिछले डेढ़ साल से अपनी एक हिंदू पड़ोसी महिला के साथ बलात्कार करने, उसे ब्लैकमेल करने, धमकाने और परेशान करने का आरोप है। पीड़िता, जिसकी एक बेटी भी है, ने आरोप लगाया कि आरोपी उसकी मासूम बच्ची के सामने ही नंगा हो जाता था और बेहद अश्लील और विकृत हरकतें करता था। इस व्यवहार से वह छोटी बच्ची इतनी बुरी तरह से सदमे में आ गई कि वह अपनी खुद की मां के पास जाने से भी डरने लगी। राजकोट में एक ऐसी घटना हुई है जो काला धब्बा नहीं बल्कि एक बड़ा दाग है। यूनिवर्सिटी पुलिस ने आरोपी पुलिस हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत मिली थी कि ट्रैफिक ब्रांच में हेड कांस्टेबल के तौर पर काम करने वाले एक आदमी ने 31 साल की शादीशुदा महिला के साथ डेढ़ साल तक रेप किया और पांच साल की बच्ची के साथ फिजिकल छेड़छाड़ की। इस बारे में पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसकी शादी नौ साल पहले हुई थी। जनवरी 2025 में वह अपनी मां के घर बेटी के साथ रहने चली गई थी। जिस टेलर की दुकान पर वह कपड़े सिलवाती थी, वहां इमरान हबीबभाई राउमा नाम के पुलिस कर्मचारी से मुलाकात हुई, जो अभी हेड कांस्टेबल है। एक दिन रात के 12 बजे वह घर का दरवाजा खोलकर सीधे कमरे में घुस गया। उसने पीड़िता को पीटा, उसके कपड़े उतारे और वीडियो और फोटो खींचे। इसके बाद उसने पीड़िता के साथ रेप किया और इसके बारे में किसी से बात करने पर फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी और भाग गया। बात इतनी बढ़ गई कि आरोपी इमरान राऊमा ने पुलिस की वर्दी पहनकर उसके साथ रेप भी किया। इसके बाद इमरान राऊमा का टॉर्चर बढ़ता गया और पीड़िता इस डर से अपने ससुराल चली गई। इतना ही काफी नहीं था, इमरान ने पीड़िता के साथ कुदरत के खिलाफ काम भी किया और उस पर धर्म बदलने का दबाव बनाया। यहां तक कि जब इमरान बंदोबस्त के लिए सासन (गिर) गया था, तब भी उसने जबरदस्ती पीड़िता को बुलाकर रेप किया और पांच साल की बच्ची के साथ भी छेड़छाड़ की। जब महिला का जीना मुश्किल हो गया, तो उसने इमरान के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पहले साली को किया बंद, फिर जीजा ने.खून से लाल हुआ बंद कमरा; मंजर देख दहल उठा गांव

(यंग भारत न्यूज)

कुशीनगर। प्रदेश के कुशीनगर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां तमकुहीराज थाना क्षेत्र के बसडीला बुजुर्ग गांव में एक जीजा ने ही अपनी साली को कमपे में बंद कर गोली मार दी. जीजा ने गोली साली के सीधे सिर में मारी थी. हत्या के बाद जीजा ने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली. इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला. दोनों शव को बरामद कर लिया गया है.

बता दें कि, शम्भू प्रजापति की बेटी बेबी की शादी एक साल पहले पूरे बिहार के गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के धरमचक निवासी रघुनाथ प्रजापति के बेटे जीतेंद्र से हुई थी. शादी के बाद जीतेंन्द्र का ससुराल लगातार आना-जाना रहता था. इसी तरह वह मंगलवार को भी अपने ससुराल में पहुंचा था. रात में खाना खाने के बाद फिर वह छत पर सोने चला गया. फिर अगले दिन बुधवार को सुबह करीब नौ बजे शम्भू प्रजापति की 18 साल की बेटी नैना अपने जीजा को खाना देने के लिए पहुंची थी. इसी दौरान जीतेन्द्र नैना को कमरे में ले गया और भीतर से दरवाजा बंद कर लिया और फिर खुद को भी गोली मार ली. गोली की आवाज सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन कमरा भीतर से बंद था. सूचना मिलते ही तुरंत इंस्पेक्टर तमकुहीराज गिरिजेश उपाध्याय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने दरवाजा तोड़कर भीतर देखा, तो दंग रह गए. कमरे के फर्श पर नैना और जीतेन्द्र के शव खून से सने पड़े हुए थे. अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा तथा एसडीएम तमकुहीराज आकांक्षा मिश्रा भी घटनास्थल पर पहुंचे. अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए. पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस आगे की जांच कर रही है.जानकारी के मुताबिक, जितेंद्र की बातचीत नैना से होती रहती थी. वह नैना से एकतरफा प्यार करने लगा था. यह प्यार जल्द ही एक जुनून में बदल गया. परिजनों के मुताबिक, जितेन्द्र की बहन की शादी 5 मई को हुई थी. उसने ससुराल पक्ष के लोगों के साथ नैना को भी शादी में आने के लिए कहा था. लेकिन नैना शादी में शामिल नहीं हुई थी. इसी बात को लेकर जीजा नाराज हो गया था. इसी नाराजगी के चलते उसने नैना की गोली मारकर हत्या कर दी.

सुहागरात पर बीवी ने पति को बताया ऐसा सच सुनते ही छोड़ दिया पत्नी को और टूट गई शादी

(यंग भारत न्यूज)

पति और पत्नी का रिश्ता भरोसे पर टिका होता है। हालांकि अपने जीवन का कौन सा सच लाइफ पार्टनर को बताना चाहिए या नहीं, ये खुद को ही तय करना होता है। मध्य प्रदेश में एक लड़की को अपने जीवन का एक सच बताना बहुत भारी पड़ गया। पति ने उसका सच जाना तो फौरन ही पत्नी को छोड़ दिया और शादी टूट गई।

दोनों के तलाक का मामला भी तीन साल से कोर्ट में लंबित चल रहा था। इस बीच कई बार प्रयास किए गए कि पत्नी को पति वापस अपने साथ घर ले जाए लेकिन वो तैयार नहीं हुआ। आखिरकार तीन साल बाद दोनों का विवाह शून्य घोषित कर दिया गया और दोनों की शादी टूट गई। आखिर वो सच क्या था, आइए हम आपको बताते हैं। ये मामला मध्य प्रदेश के ग्वालियर से सामने आया है। यहां रहने वाले 25 साल के युवक ने इसी शहर की लड़की से शादी की थी। लड़की की उम्र 21 साल की थी। दोनों की शादी परिवार की रजामंदी से की गई थी। शादी के दोनों की पहली रात थी। हालांकि इसी बीच लड़की ने अपने जीवन का सच बताना चाहा। सुहागरात पर जब दोनों अकेले में थे तब पत्नी और पति में बातें हो रही थीं। दोनों ही अपनी जिन्दगी के कुस किस्से सुना रहे थे। पत्नी ने भी पति को अपने जीवन का कुछ सच बताना चाहा। इसी दौरान उसने एक ऐसा सच बता दिया जिसको सुनने के बाद लड़का सन्न रह गया और फौरन ही कमरे से बाहर निकलकर आ गया। अब हम आपको वो सच बताते हैं जो बीवी ने सुहागरात पर अपने पति को बताया। पत्नी ने पति को बताया कि उसका रेप हो चुका है। उसने बताया कि उसी के मामा के लड़के ने उसके साथ शादी से पहले दुष्कर्म किया था। लड़की ने जैसे ही इस सच को बताया, पति हैरान रह गया और गुस्से में कमरे से बाहर निकल आया। पत्नी का सच जानने के बाद पति फौरन ही रूम से बाहर आया। इसके बाद उसने परिवार वालों को इकट्ठा कर सारी बात बता दी। इसके अगले दिन वो बीवी को वापस मायके छोड़ आया। इस फैसले में उसके परिवार ने भी उसका साथ दिया। कई बार मनाने के बाद भी वो बीवी को वापस ससुराल लेकर नहीं आया। पति ने फैमिली कोर्ट में भी तलाक के लिए आवेदन दे दिया। इसी बीच पत्नी ने आरोपी मामा के लड़के पर रेप का केस दर्ज करवा दिया। हालांकि तब भी पति उसको रखने के लिए राजी नहीं हुआ। लड़की के परिवार वालों ने उसको बहुत समझाने की कोशिश की। इसके बाद भी उसने शादी को तोड़ने की बात ही की। लड़के के परिवार वाले भी दुष्कर्म पीड़िता बहू को अपने घर में दोबारा नहीं लाना चाहते थे। ये खबर आप जस्ट अभी में पढ़ रहे हैं। इसी वजह से वे लोग भी बेटे के फैसले में उसका साथ दे रहे थे। कोर्ट ने कई बार लड़की को उसका पक्ष रखने के लिए बुलाया लेकिन वो कोर्ट नहीं आई। इसके बाद कोर्ट ने दोनों का विवाह शून्य घोषित कर दिया।

2027 वर्ल्ड कप पर कोहली का दो टूक, इतनी मेहनत के बाद भी अहमियत साबित करनी हो, तो नहीं!

नई दिल्ली

विराट कोहली को अब भी क्रिकेट से इतना लगाव है कि वह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही भारत के इस स्टार बल्लेबाज ने स्पष्ट किया कि अगर किसी विशेष 'माहौल' में उनकी योग्यता पर लगातार सवाल उठाए जाते हैं, तो उन्हें यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी कि वह 'जगह' उनके लिए नहीं बनी है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने महत्व को लेकर किए जा रहे आकलन में लगातार बदलाव से नफरत है।

कोहली ने कहा, 'मेरा नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है। मैं जिस माहौल का हिस्सा हूं उसमें कुछ योगदान दे सकता हूं और टीम को भी लगता है कि मैं योगदान दे सकता हूं, तो मैं खेलता रहूंगा। अगर मुझे अपनी काबिलियत और अहमियत साबित करने की जरूरत महसूस कराई जाती है तो मैं उस माहौल में नहीं रह सकता।'

कोहली ने कहा, 'जिस पल मुझे लगा कि लोग मेरे लिए मुश्किल खड़ी कर रहे हैं और अलग-अलग बात कर रहे हैं। या तो चुप रहो और मुझे खेलने दो या तो स्पष्ट व ईमानदार रहो। अगर आप अपने कहा तो जगह पर जाते हैं और लोग कहते हैं कि हमें आपकी क्षमता पे भरोसा है और एक अलग बात से तरीके पर सवाल करने लगो, तो फिर क्या मतलब। या तो मुझे पहले ही बिल कह दो कि मेरा खेल ठीक नहीं है या मेरी जरूरत नहीं लेकिन आपने कहा है कि मैं ठीक हूं और हम कुछ दूसरी बात नहीं सोच रहे तब चुप रहो।

मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं

विराट ने कहा, 'मैं हमेशा तैयार रहता हूं क्योंकि यही मेरी रोजमर्रा की जिंदगी है। मैं वर्कआउट करता हूं, हम घर पर अच्छा खाना खाते हैं। मुझे इस तरह जीना पसंद है। यह केवल क्रिकेट खेलने तक सीमित नहीं है। मेरा कहने का मतलब है कि 2027 के विश्व कप को लेकर होने वाली बातें और बाकी सब। मुझे कई बार पूछा गया है कि क्या आप 2027 में खेलना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे इसका जवाब पता है और अगर मैं खेल रहा हूं तो फिर मैं क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं। भारत के लिए विश्व कप खेलना शानदार है।

मुझे किसी को कुछ साबित नहीं करना

कोहली ने 2025-26 सत्र के दौरान दो दशकों के बाद विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने का उदाहरण दिया। उन्होंने दिल्ली के लिए दो मैच खेले और उनमें से एक में शतक लगाने के साथ-साथ लिस्ट ए में सबसे कम पारियों में 16 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बने। उन्होंने कहा, 'मैं तब स्पष्ट सोच के साथ वहां गया था कि मुझे वहां किसी को कुछ साबित नहीं करना है। मैं वहां खेलने गया क्योंकि मुझे खेल खेलना पसंद है।' कोहली ने कहा, 'मैं इसलिए खेलना चाहता हूं क्योंकि मुझे खेल से प्यार है। मुझे बल्लेबाजी करने में बहुत मजा आने लगा। मुझे फिर से एक बच्चे जैसा महसूस हुआ। मुझे लगा कि यह किसी और को लेकर नहीं बल्कि यह केवल मेरे और खेल के बारे में है।

मैं अपनी तैयारियों के प्रति ईमानदार

कोहली ने कहा, 'मैं अपनी तैयारियों के प्रति ईमानदार हूं, मैं खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण के प्रति ईमानदार हूं। मैं पूरी लगन से मेहनत करता हूं। जब मैं खेलने के लिए जाता हूं तो मैं दूसरों से कम नहीं बल्कि उनसे भी ज्यादा मेहनत करता हूं और सही तरीके से खेलता हूं।' कोहली ने खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण के बारे में कहा कि वह हमेशा कड़ी मेहनत के लिए तैयार रहते हैं। विराट ने कहा, 'मैं इसी तरह से तैयारी करता हूं। मैं 50 ओवर तक फील्डिंग करने के लिए तैयार हूं। इस तरह से खेलने के बाद भी अगर मुझे अपनी काबिलियत और अहमियत साबित करनी पड़े, तो वह जगह मेरे लिए नहीं है।

खबर संक्षेप

बिना एक भी मैच खेले स्वदेश लौटे रचिन

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र न्यूजीलैंड के इंग्लैंड के आगामी टेस्ट दौरे की तैयारियां शुरू करने के लिए आईपीएल छोड़कर स्वदेश रवाना हो गए हैं। केकेआर ने बताया, 'रचिन रविंद्र न्यूजीलैंड के इंग्लैंड के आगामी टेस्ट दौरे के लिए अपनी टेस्ट क्रिकेट की तैयारियां शुरू करने के लिए घर लौट गए हैं।' केकेआर की टीम शनिवार को ईडन गार्डन्स में गुजरात टाइटन्स से भिड़ेगी। आईपीएल की नीलामी में केकेआर ने दो करोड़ रुपए के बेस प्राइस में रविंद्र को खरीदा था, इस तरह वह इस सत्र में अपनी नई फ्रेंचाइजी के लिए एक भी मैच खेले बिना ही घर लौट गए। केकेआर ने मुख्य ऑलराउंडर के तौर पर बड़े नाम वाले खिलाड़ी कैमरन ग्रीन को प्राथमिकता दी। 26 वर्षीय रविंद्र अब इंग्लैंड के अपने पहले दौरे के लिए लाल गेंद की ट्रेनिंग पर ध्यान केंद्रित करेंगे। न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड में तीन मैच की टेस्ट सीरीज से पहले 27 मई से बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय मैच खेलेगी।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बढ़ी आईपीएल दर्शकों की संख्या

मुंबई। आईपीएल की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसके दर्शकों की संख्या में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि टीवी पर दर्शकों की संख्या 500 मिलियन के आंकड़े को छूने के करीब है। इस टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारणकर्ता जियोस्टार के अनुसार आईपीएल की कुल डिजिटल पहुंच में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा लीनियर टीवी पर प्रसारित 51 मैचों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित 57 मैचों का है। कंपनी ने दावा किया, 'सीटीवी (कनेक्टेड टीवी यानि इंटरनेट से जुड़े उपकरण) की पहुंच में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 'वॉच टाइम' (देखने का समय) 20 प्रतिशत बढ़ गया है। क्षेत्रीय भाषाओं में 'वॉच टाइम' में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।' प्रसारक ने दावा किया कि पिछले सत्र की तुलना में 125 नए विज्ञापनदाताओं के जुड़ने से यह वृद्धि हुई है।

22 मई से फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता

नई दिल्ली। रांची में 22 से 25 मई तक होने वाली फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता आगामी एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल के रूप में भी काम करेगी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने कहा कि एशियाई एथलेटिक्स संघ के दिशानिर्देशों के अनुसार 31 दिसंबर, तक 20 से 22 वर्ष की आयु के एथलीट चयन के लिए पात्र होंगे। एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 9 से 12 जुलाई तक चीन के ओर्डोस में होगी। रांची में होने वाली प्रतियोगिता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एथलीटों को इससे ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में जगह बनाने का आखिरी मौका मिलेगा।

आईपीएल: मिचेल मार्श ने 90 रन बनाए, आकाश को 3 विकेट

लखनऊ ने जीत के साथ चेन्नई के प्लेऑफ की उम्मीदों को दिया झटका

लखनऊ

- सुपर किंग्स तीन मैच जीतने के बाद हारी
- सुपर जायंट्स सात विकेट से जीती

मिचेल मार्श की 90 रन की तूफानी पारी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शुक्रवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स को 20 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी उम्मीदों को करारा झटका दिया। सुपर किंग्स को पांच विकेट पर 187 रन पर रोकने के बाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी सुपर जायंट्स ने 16.4 ओवर में तीन विकेट पर 188 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया और सुपर किंग्स के नेट रनरेट को भी बड़ा झटका दिया। सुपर किंग्स की यह 12 मैचों में छठी हार है, लेकिन टीम का नेट रनरेट 0.185 से गिरकर 0.027 हो गया और टीम तालिका में पांचवें से छठे स्थान पर खिसक गई। मार्श ने 38 गेंदों की पारी में नौ चौके और सात छक्के लगाए। उन्होंने पहले विकेट के लिए जोश इंग्लिश (35) के साथ महज 70 गेंदों में 135 रन की साझेदारी कर मैच को शुरुआत में ही सुपर किंग्स की पकड़ से दूर कर दिया। मार्श और निकोलस पूरन (17 गेंदों में नाबाद 32 रन) ने अंशुल कंबोज के एक ओवर में चार-चार छक्के जड़े। कंबोज ने 2.4 ओवर में 63 रन दिए। मार्श की इस आक्रामक पारी ने सुपर किंग्स के कार्तिक शर्मा की बेहतरीन पारी को फीका कर दिया। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लड़खड़ाने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने युवा कार्तिक शर्मा की 71 रन की संयमित पारी की बदौलत प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

चेन्नई-187/5 (20)

खिलाड़ी	रन
संजू का चौधरी बो आकाश सिंह	20
ऋतुराज का पूरन बो आकाश	13
उर्विल का मार्श बो आकाश सिंह	06
कार्तिक का मारक्रम बो शाहबाज	71
ब्रेविस का आकाश सिंह बो शमी	25
शिवम दुबे नाबाद	32
प्रशांत वीर नाबाद	13

अतिरिक्त : 07
कुल 20 ओवर में 5 विकेट पर 187 रन
विकेट पतन : 1-31, 2-36, 3-52, 4-122, 5-142
गेंदबाजी : शमी 4-0-41-1, आकाश 4-0-26-3, प्रिंस 4-0-49-0, मयंक 4-0-26-0, शाहबाज अहमद 4-0-45-1

लखनऊ-188/3 (16.4)

खिलाड़ी	रन
मिचेल मार्श रन आउट	38
जोश का उर्विल बो मुकेश	36
निकोलस पूरन नाबाद	32
अब्दुल समद बो ओवरटन	07
मुकुल चौधरी नाबाद	13

अतिरिक्त : 10
कुल योग 16.4 ओवर में तीन विकेट पर 188 रन
विकेट पतन : 1-135, 2-135, 3-144
गेंदबाजी : मुकेश 3-1-24-1, ओवरटन 4-0-30-1, कंबोज 2.4-0-63-0, नूर 4-0-21-0, गुरजपनीत 3-0-34-0

गुजरात की टॉप-2 पर नजर, केकेआर की उम्मीदों की लड़ाई, आज शाम 7.30 बजे से मुकाबला

कोलकाता। लगभग एक महीने के बाद अपने घरेलू मैदान पर वापसी करने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम अपनी उम्मीद जीवंत रखने के लिए शनिवार को आईपीएल के मैच में शीर्ष दो में जगह बनाने की कवायद में लगी गुजरात टाइटंस का सामना करेगी। अनुभवी अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर ने पिछले साल की तरह इस वर्ष भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, जिससे उन्हें फिर से कप्तान नियुक्त करने के फैसले पर सवाल उठने लगे हैं। केकेआर को मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत के लिए सातवें मैच (आधे सत्र) तक इंतजार करना पड़ा था। वह इस दौरान एक संतुलित टीम संयोजन तैयार करने में नाकाम रहा। केकेआर ने इसके बाद लगातार चार मैच जीते लेकिन पिछले मैच में विराट कोहली के आक्रामक शतक के कारण उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा था।

इटैलियन ओपन

एलिना की फाइनल में एंट्री, इगा को हराया

एजेंसी ▸▸ रोम

दो बार की चैंपियन एलिना स्वितोलिना ने इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में तीन बार की विजेता इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना 2017-18 में लगातार दो ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार फाइनल मैच में पहुंची हैं। खिताबी मुकाबले में स्वितोलिना का सामना कोको गॉफ से होगा। स्वितोलिना तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम करना चाहेंगी, तो गॉफ की निगाहें पहली बार इस ट्रॉफी को उठाने पर होंगी। इसके साथ ही, दोनों खिलाड़ी सीजन का अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने की कोशिश भी करेंगी। स्वितोलिना इस साल गॉफ को दो बार हरा चुकी हैं, और वह अपने इस शानदार रिकॉर्ड को फाइनल में भी कायम रखना चाहेंगी।

फाइनल में पहुंचना शानदार एहसास : स्वितोलिना

एलिना स्वितोलिना ने स्वियातेक को 2 घंटे 14 मिनट में हराने के बाद कहा, इतने सालों बाद फिर से फाइनल में होना बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करके इस तरीके से फाइनल में पहुंचना शानदार एहसास है।

गॉफ और स्वितोलिना का हेड टू हेड रिकॉर्ड

गॉफ के खिलाफ एलिना स्वितोलिना का हेड टू हेड रिकॉर्ड 3-2 का रहा है। स्वितोलिना ने गॉफ को ऑस्ट्रेलियन ओपन और फिर दुबई में हराया था। स्वितोलिना और गॉफ की उम्र में 9 साल 182 दिन का फर्क है। यह इटैलियन ओपन के फाइनल में 1990 के बाद सबसे बड़ा उम्र का अंतर है। 1990 में मार्टिना नवरातिलोवा और मोनिका सेलेस के बीच खेले गए फाइनल में उम्र का अंतर 17 साल 45 दिन था।

पाकिस्तानी टीम पर आईसीसी ने लिया तगड़ा एक्शन, काटे डब्ल्यूटीसी अंक

मीरपुर

पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिली हार के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए, मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के 2025-27 चक्र में मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उसके टीम के 8 अंक काट दिए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार पाकिस्तान ने इस मैच में निर्धारित समय सीमा में 8 ओवर कम किए थे। इस तरह से पाकिस्तान अब अंक तालिका में चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर है। वेस्टइंडीज उससे निचले पायदान पर है।

खिलाड़ियों पर मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना:- आईसीसी ने कहा, 'आईसीसी की न्यूनतम ओवरों के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत निर्धारित समय में पूरे नहीं किए गए ओवर में से प्रत्येक ओवर के लिए, खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।' विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खेल नियमों के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार, प्रत्येक ओवर कम होने पर टीमों का एक चैंपियनशिप अंक कट जाता है, जिस कारण पाकिस्तान को डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में 8 महत्वपूर्ण अंक गंवाने पड़े।

सिंधू-लक्ष्य थाईलैंड ओपन से बाहर सात्विक-चिराग की जोड़ी आगे बढ़ी

बैंकॉक

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू क्वार्टरफाइनल में जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के खिलाफ एक गेम की बढ़त बनाकर हार गईं लेकिन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुषों की युगल जोड़ी शुक्रवार को यहां थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गई। सिंधू 5,00,000 डॉलर पुरस्कार राशि के सुपर 500 टूर्नामेंट के एक घंटे से ज्यादा समय तक चले महिला एकल क्वार्टरफाइनल में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची से 21-19, 18-21, 15-21 से हार गईं। हार के बावजूद दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू हार जीत के रिकॉर्ड में यामागुची से 11-13 से आगे हैं। जनवरी में हुए मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में सिंधू आगे चल रही थी और फिर यामागुची के चोट के कारण क्वार्टरफाइनल मैच से हटने के कारण अगले दौर में जगह बनाई थी। लक्ष्य सेन को भी पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल मैच में थाईलैंड के दूसरे वरीय खिलाड़ी कुनलावुत वितिदसर्न से 53 मिनट में 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि युगल स्पर्धा में कुछ अच्छी खबर भी आई जिसमें सात्विकसाईराज और चिराग की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने जापान के ताकुमी ओमुरा और युइची शिमोगामी की छठी वरीय जोड़ी को 21-12, 21-13 के शानदार स्कोर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब यह भारतीय जोड़ी अगले दौर में चीन के वेई और कुर ... की तीसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से भिड़ेगी। इससे पहले सिंधू का पहला गेम बराबरी का था जिसमें 11-11 तक एक खिलाड़ी सिर्फ एक अंक से आगे था। उसके बाद यामागुची 13-11 से आगे हो गईं लेकिन सिंधू ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। 19-19 पर पहुंचने के बाद सिंधू ने अगले दो अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधू 5-1 से आगे थीं और ऐसा लग रहा था कि वह लय बनाए रखेंगी। लेकिन उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी को वापसी करने का मौका दे दिया जिससे स्कोर 11-11 से बराबर हो गया। यामागुची ने लगातार तीन अंक लेकर 14-11 की बढ़त बना ली। यामागुची लय में आ गईं और उन्होंने यह गेम 21-18 से जीत लिया।

भारत की अंडर-18 पुरुष टीम ने ऑस्ट्रेलिया से ड्रॉ खेला, महिला टीम ने भी चुनौती पेश की

भोपाल। भारत की अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। मेजबान टीम की ओर से आकाश दीप (11वें मिनट) और दीपक प्रकाश टोप्पो (45वें मिनट) ने गोल किए। ऑस्ट्रेलिया के लिए जेट जॉनस्टोन (दूसरे मिनट) ने मेहमान टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई जबकि फ्रैंकी बेकर (60वें मिनट) ने खेल के आखिरी मिनट में बराबरी का गोल किया। महिलाओं के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम ने 4-3 से जीत हासिल की। अंकिता कोवासेविच (21वें मिनट) ने मेहमान टीम को बढ़त दिलाई जिसके बाद दीपा (22वें मिनट) ने तुरंत भारत के लिए बराबरी कर ली। इसके बाद मेजबान टीम ने दो गोल की बढ़त बना ली जिसमें किरण एक्का (42वें मिनट) और कप्तान स्वीटी कुजूर (48वें मिनट) ने गोल किए। लेकिन मिया विलम्सन (54वें मिनट) और स्टेला बार्थोलोम्यूज (54वें, 55वें मिनट) के आखिरी समय में किए गए गोलों की मदद से मेहमान टीम ने भारत को हरा दिया। महिला टीम रविवार को इस सीरीज का अपना दूसरा मैच खेलेगी जबकि पुरुष टीम अपना दूसरा मैच शाम को बाद में खेलेगी।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप: दो स्वर्ण, सात रजत व आठ कांस्य पदक पर कब्जा

अंडर-17 आयुवर्ग में देश के खिलाड़ियों ने 17 पदक जीते

रोहतक

उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना अंडर-17 अभियान कुल 17 पदकों के साथ समाप्त किया। इन पदकों में दो स्वर्ण, सात रजत और आठ कांस्य पदक शामिल हैं, जिसमें लड़कियों के दल ने सबसे आगे रहकर नेतृत्व किया। अंडर-17 लड़कियों ने 12 पदकों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसमें दो स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य पदक शामिल थे जबकि अंडर-17 लड़कों ने एक रजत और चार कांस्य पदकों का योगदान दिया। लड़कियों के फाइनल मुकाबलों में दो स्वर्ण पदक हासिल किए। राखी (46 किग्रा) ने दूसरे राउंड में रुखशोनबोनु अहदोवा के खिलाफ जीत के साथ स्वर्ण पदक जीता। नव्या (57 किग्रा) ने साया कोनो पर 4-0 की शानदार जीत दर्ज करते हुए दूसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अन्य मुकाबलों में, खुशी चंद (48 किग्रा), दीया (63 किग्रा) और हिमांशी (70 किग्रा) ने रजत पदक जीता। लड़कों में नमन बुधवार ने कांस्य पदक जीता। लड़कों के फाइनल में, लक्ष्य फोगाट (75 किलोग्राम) को मारुफजोन तोशपुलातोव के हाथों 0-5 से हार मिली, जिसके बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। लड़कों के दल ने कुल मिलाकर 1 रजत और 4 कांस्य पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया।

शानदार प्रदर्शन तो महज एक शुरुआत : मेजर सत्यपाल सिंधु

हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे मुक्केबाजों ने जो जोश और तकनीक दिखाई है वह काबिले तारीफ है। विशेष रूप से लड़कियों ने जिस तरह से रिंग में मेहनत किया, वह सबका दिल जीत लिया। यह शानदार प्रदर्शन तो महज एक शुरुआत है, मुझे पूरा विश्वास है कि यही खिलाड़ी भविष्य में ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप जैसे बड़े मंचों पर तिरंगा फहराएंगे। कोच साहिब ने भी विजेता खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने आगे भी लगातार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

शकीरा-बर्ना बॉय का 'दाई दाई' बनेगा विश्व कप एंथम

ज्यूरिख

विश्व कप का आधिकारिक गीत घोषित कर दिया गया है। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने कहा कि शकीरा और नाइजीरिया के गायक-गीतकार बर्ना बॉय ने मिलकर 'दाई दाई' गाना जारी किया है, जो उत्तरी अमेरिका में 11 जून से शुरू होने वाले टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत होगा। फीफा ने कहा, 'दाई दाई फुटबॉल, संस्कृति और एकता का जीवंत नमूना है, जो शकीरा और बर्ना बॉय की विश्व भर में जानी पहचानी ओजभरी आवाज और ऊर्जा का शानदार मिश्रण है।'

शकीरा ने किया था गीत का टीजर साझा

कोलंबिया की गायिका शकीरा ने मई की शुरुआत में इस गीत का

एक मिनट लंबा टीजर वीडियो साझा करके सोशल मीडिया पर लिखा था, 'मारकाना स्टेडियम से पेश है 'दाई दाई', फीफा विश्व कप 2026 का आधिकारिक गीत।' फीफा ने कहा कि वह प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध इस गाने से मिलने वाली रॉयल्टी का उपयोग फीफा वैश्विक नागरिक शिक्षा कोष की मदद के लिए करेगा।

माधुरी के जन्मदिन पर फिल्म 'मां बहन' का टीजर रिलीज

मुंबई। माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की कॉमेडी फिल्म 'मां बहन' का इंतजार अब खत्म हो गया है। आखिरकार, निर्माताओं ने आज फिल्म 'मां बहन' के टीजर के साथ ही इसकी रिलीज तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। शुक्रवार को माधुरी दीक्षित के 59वें जन्मदिन पर निर्माताओं ने खासतौर पर फिल्म 'मां-बहन' का टीजर जारी किया है। इसके साथ ही निर्माताओं ने माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'मां बहन' की रिलीज डेट भी बता दी है। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर टीजर जारी किया और कैप्शन में लिखा, 'धक धक हो रहा है? तारीख नोट कर लो। 'मां बहन' 4 जून से केवल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।' यह टीजर 46 सेकंड लंबा है, जिसकी शुरुआत माधुरी और तृप्ति से होती है। दोनों मिलकर एक लाश को ठिकाने लगाने की कोशिश करती हैं, जिसमें उनकी मदद धर्मा दुर्गा करती हैं।

लाइफ Style

आरती

श्रीमद् भगवद गीता लेकर कान में छा गईं

कान फिल्म फेस्टिवल 2026 के रेड कार्पेट पर जहां पहले दिन से ही आलिया भट्ट अपने ग्लैमर अवतार में लगातार नजर आ रही हैं वहीं इस वक्त एक और नाम ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं। ये हैं आरती खेतरपाल जिन्होंने वृंदावन थीम के साथ वहां रेड कार्पेट पर सबका दिल मोह लिया है। श्रीमद् भगवद गीता के साथ कान फिल्म फेस्टिवल में उनकी एंट्री ने अब खूब तहलका मचा दिया है। हर तरफ उनकी जोर-शोर से चर्चा चल रही है।

एजेंसी ▸▸ मुंबई

आरती खेतरपाल मूल रूप से भजन सिंगर हैं। साल 2018 में मीका सिंह के गाने 'सम्मा' में नजर आईं और इससे उन्हें पहचान भी मिली। वो वृंदावन में एकता, भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता से जुड़ी बातें शेयर करती रहती हैं। इसके अलावा, कुतुब मीनार, रागिनी एमएमएस रिटर्न्स, प्यार इश्क रेट, मुस्कुराहटें, इनसाइड ऐज जैसे शोज में नजर आईं। कान के रेड कार्पेट पर भारतीय परंपरा, सनातन धर्म, वृंदावन की झलकियां, श्रीमद् भगवद गीता, मंत्र जाप की थैली, हरे कृष्णा मंत्र जैसी चीजों को अपने में समेटे हुए आरती ने एक मिसाल कायम कर दी। इस बार इस इवेंट में कुछ ऐसा हुआ जो इससे पहले कभी नहीं हुआ। बता दें कि आरती का ये अंदाज किसी फैशन को लेकर नहीं बल्कि ये चीजें उनकी आस्था और विश्वास को बयां कर रहे थे। उनके हाथ में भगवद गीता था जो काफी अर्थपूर्ण लग रहा था। आरती इस ग्लैमरस मौके पर आध्यात्मिक भाव से भी दिखीं जैसे वो यहां सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व कर रही हों। आरती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है, 'और फिर कान के इतिहास में पहली बार उन्होंने वैष्णवों और कृष्ण की सार्वभौमिक पहचान एक धोट के रूप में गर्वपूर्वक कान के रेड कार्पेट पर सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया। यह ईश्वर में विश्वास रखने वाले हर इंसान के लिए है।' पोस्ट में आगे लिखा गया है, 'हमारे सभी गुरुओं और संतों को, जो हमें जप करना सिखाते हैं।'

हॉलीवुड मसाला

द बैटमैन 2 में स्कारलेट सेबेस्टियन शामिल

लॉस एंजिल्स। निर्देशक मैट रीव्स ने द बैटमैन: पार्ट 2 की कास्ट में कई नए कलाकारों के शामिल होने की पुष्टि की है। ये घोषणाएं सोशल मीडिया पर की गईं, जहां रीव्स ने स्कारलेट जोहानसन, सेबेस्टियन स्टेन और चार्ल्स डांस का नाम सूचियों में शामिल किया। यह घोषणा उन खबरों के सामने आने के कुछ महीनों बाद आई है जिनमें कहा गया था कि जोहानसन (ब्लैक विडो) और सेबेस्टियन स्टेन (द अप्रेंटिस) इस सीक्वल में रॉबर्ट पैटिंसन के साथ जुड़ेंगे। खबरों के मुताबिक, स्टेन हार्वे डेंट का किरदार निभाएंगे, जबकि जोहानसन कथित तौर पर उनकी पत्नी गिल्डा का किरदार निभाएंगी। यह मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के विंटर सोल्जर और ब्लैक विडो का किरदार निभाने वाले सितारों का रियूनियन होगा। वहीं चार्ल्स डांस, हार्वे के पिता चार्ल्स डेंट का किरदार निभाएंगे।

बारबरा ने की प्रेगनेंसी की घोषणा, पति डेलन भी दिखे साथ

पेरिस। मॉडल बारबरा पैल्विन और उनके पति, अभिनेता डेलन स्प्राउस ने अपनी पहली गर्भावस्था की खुशखबरी का ऐलान कर दिया है। कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर उन्होंने इसकी घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर भी एक खास पोस्ट शेयर किया है। गुरुवार को बारबरा और उनके पति डेलन कान 2026 के रेड कार्पेट पर पहुंचे। बारबरा हल्के नीले रंग के गाउन में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उनके पति डेलन क्लासिक टक्सीडो में हैंडसम दिख रहे थे। दोनों ने बारबरा के बेबी बंप को प्यार से सहलाते हुए तस्वीरें खिंचवाईं। बारबरा ने इंस्टाग्राम पर अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी शेयर की है। बारबरा ने इस पोस्ट में अपने बच्चे की सोनोग्राफी (अल्ट्रासाउंड) की तस्वीर भी शेयर की है। बारबरा और डेलन को कई सेलेब्स बधाई दे रहे हैं। बारबरा और डेलन की पहली मुलाकात 2017 में एक पार्टी के दौरान हुई थी। बाद में बारबरा ने डेलन को इंस्टाग्राम पर फॉलो किया और बातचीत शुरू हो गई। 2018 में डेलन फोटोशूट के लिए गए थे। बारबरा उनसे मिलने वहां चली गईं। 2018 जून में दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी और रिश्ते को सार्वजनिक भी किया। जनवरी 2019 में दोनों एक साथ रहने लगे। जुलाई 2023 में बुडापेस्ट के एक चर्च में दोनों ने शादी कर ली।

रूपी ने कान फिल्म फेस्टिवल में बिखेरा जलवा

मुंबई। पंजाबी अभिनेत्री रूपी गिल ने कान फिल्म फेस्टिवल 2026 के रेड कार्पेट पर बहुत खूबसूरती से एंट्री की। उन्होंने पंजाबी सिनेमा का प्रतिनिधित्व किया और अपनी आने वाली फिल्म 'चढ़दी कला' का प्रचार किया। यह फिल्म 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। कान 2026 में रूपी गिल पारंपरिक पंजाबी कपड़ों में सजी हुई नजर आईं। उन्होंने हल्के क्रीम रंग (आइवरी) का शरारा सेट पहना है। इसमें छोटा कुर्ता और घेरदार शरारा पैंट है, जिस पर सोने के रंग की सुंदर कढ़ाई और प्रिंटिंग की गई है। इस पंजाबी लुक में सबसे खास रूपी का फुलकारी स्टाइल का आइवरी दुपट्टा लगा, जिसके किनारों पर भारी सोने की कढ़ाई है। उन्होंने दुपट्टा पारंपरिक पंजाबी तरीके से सिर पर ओढ़ रखा है। उन्होंने इस लुक को पारंपरिक गहनों से पूरा किया।

गुजराती फिल्म लालो ने रचा इतिहास

मुंबई। गुजराती फिल्म 'लालो- कृष्ण सदा सहायते' ने कान फिल्म फेस्टिवल में इतिहास रच दिया है। यह उन पहली गुजराती फिल्मों में से एक बन गई है जो ग्लोबल लेवल पर पहुंची है। यह फिल्म भारत की क्षेत्रीय कहानियों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक ले गई है। कान में 'लालो' का पहुंचना गुजराती सिनेमा के लिए मील का पत्थर है। फिल्म की कामयाबी और ग्लोबल पहचान के लिए आभार व्यक्त करते हुए, निर्माताओं ने इस पूरे सफर के दौरान सपोर्ट देने के लिए दर्शकों को धन्यवाद कहा है। फिल्म के निर्देशक अंकित सखिया ने एक बयान में कहा 'कान फिल्म फेस्टिवल में 'लालो' की अगुआई करना हमारे लिए गर्व की बात है। हमारा मानना है कि हमारी भाषा, हमारी संस्कृति और यह फिल्म ही हमें यहां तक लाई है। हमें 'लालो' के जरिए गुजरात और उसकी संस्कृति का एक छोटा सा हिस्सा ग्लोबल स्तर पर ले जाने का सम्मान मिला है।

टीवी मसाला

ओटीटी पर एक नए ट्विस्ट के साथ रिलीज होगी धुरंधर 2

मुंबई। फिल्म 'धुरंधर 2' ने बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। यह 1000 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। अब भी यह फिल्म सिनेमाघरों में मौजूद है, इसे रिलीज हुए 57 दिन हो चुके हैं। जल्द ही यह ओटीटी पर भी स्ट्रीम होगी। लेकिन, एक नए ट्विस्ट के साथ फिल्म 'धुरंधर 2' ओटीटी पर दर्शकों को देखने को मिलेगी। 'धुरंधर 2' जल्द ही जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। 4 जून को इसका डिजिटल प्रीमियर होगा, इसमें एक्टरों से बातचीत भी शामिल होगी। अगले दिन यानी 5 जून को यह इस प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी। दर्शकों को ओटीटी पर 'धुरंधर 2' का बिना कट-छंट वाला वर्जन देखने को मिलेगा। जो सीन थिएटर में दर्शकों को देखने को नहीं मिले, वह ओटीटी पर नजर आ सकते हैं। फिल्म 'धुरंधर 2' को सिनेमाघरों में 57 दिन हो चुके हैं। यह फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर रही है। इसने 57वें दिन 42 लाख रुपये कमाए हैं। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 1,1??.?? करोड़ रुपये हो चुका है। यह बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। वहीं वर्ल्डवाइड भी इस फिल्म ने 1,8??.?? करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। फिल्म 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह के अलावा अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, सौरभ सेन, राकेश बेदी, संजय दत्त जैसे उम्दा कलाकार नजर आए। फिल्म को आदित्य धर ने निर्देशित किया था। इस फिल्म का पहला पार्ट भी दर्शकों को पसंद आया था।

अनदेखी में नजर आ रहीं लवीना

नई दिल्ली। जोधा अकबर टीवी का पॉपुलर शो है, जिसने दो साल में फैन्स के दिलों पर राज किया। इस शो को एकता कपूर ने बालाजी टेलीफिल्म्स के जरिए प्रोड्यूस किया। वहीं, रजत टोकस ने अकबर की भूमिका अदा की और परिधि शर्मा ने जोधा बाई का किरदार निभाया।

इसके अलावा एक्ट्रेस लवीना टंडन भी जोधा अकबर शो में नजर आईं। उन्होंने अकबर की पहली पत्नी रुकैया सुल्तान बेगम का किरदार निभाया। वह इस किरदार में खूब पॉपुलर हुईं। जबकि स्माइली सूरी ने उनसे पहले कुछ एपिसोड्स में रुकैया बेगम का किरदार निभाया था। लवीना टंडन टीवी की दुनिया से भले ही दूर हैं। लेकिन, ओटीटी पर इन दिनों छा गई हुई हैं। वह अनदेखी और लुटेरे में नजर आ रही हैं। अनदेखी में उनका किरदार एक पुलिसवाली का किरदार निभाती नजर आ रही हैं। जबकि लुटेरे में उनका किरदार काफी अलग है, वह नादिया देवी, डुग्गा बेगानी और बहुत कमाती दिख रही हैं। लवीना टंडन ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट टीवी की दुनिया में कदम रखा था। वह 2004 में तुम बिन जाऊं कहां से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा।

अक्षय के डायलॉग से लेकर सुनील की कॉमेडी ने मचाया धमाल

मुंबई। इस साल की मोस्ट अवेटेड कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का ऑफिशियल टीजर आज रिलीज कर दिया गया है। अक्षय कुमार की परफेक्ट कॉमेडी और बाकी सितारों के कॉमिक अंदाज से भरपूर यह टीजर एक शानदार फैमिली एंटरटेनर है। आखिरकार, शुक्रवार को अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का ऑफिशियल टीजर जारी कर दिया गया है। अक्षय कुमार की जबरदस्त कॉमेडी और बाकी सितारों के मजेदार अंदाज से भरा यह टीजर पूरे परिवार के लिए बहुत अच्छा मनोरंजन है। टीजर की शुरुआत अक्षय कुमार के एक मजेदार डायलॉग से होती है। वे कहते हैं, 'सूचना- इस फिल्म में किसी भी जानवर का इस्तेमाल नहीं किया गया है, सिवाय कुछ घोड़ों के और हम...।' 1 मिनट 30 सेकंड के इस टीजर में बहुत हंसी-मजाक है। सबसे ज्यादा मजेदार अक्षय कुमार के डायलॉग हैं। सुनील शेट्टी जब अक्षय पर गोली चलाते हैं और उनसे पूछते हैं, 'तू मरता क्यों नहीं?' तब अक्षय कहते हैं- 'मैं मरने में जान डाल रहा हूं।' फिल्म के टीजर में कॉमेडी, कन्फ्यूजन और अफरा-तफरी से भरा माहौल दिखाया गया है, जहां हर मोड़ पर हंसी का धमाका देखने को मिलता है। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में कुल 34 कलाकार हैं। कुछ कलाकारों में शामिल हैं- अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी,

दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जॉनी लीवर, तुषार कपूर और राजपाल यादव। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। इस फिल्म को ज्योति देशपांडे, विक्रम मल्होत्रा और फिरोज ए. नाडियाडवाला ने मिलकर निर्मित किया है।

इस एक्ट्रेस ने किया 2500 से ज्यादा फिल्मों में काम

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में कई मल्टी टैलेंटेड स्टार रहे हैं, लेकिन किसी एक्ट्रेस का मल्टी टैलेंटेड होना और 2 हजार से ज्यादा फिल्मों में नजर आना किसी अजूबे से कम नहीं है। इतना ही नहीं, ब्रह्मानंदम ने भी 1000 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है, लेकिन 2000 से ज्यादा का आंकड़ा सिर्फ एक एक्ट्रेस ने ही छुआ है और उनका नाम है- सुकुमारी। सुकुमारी ने ना सिर्फ अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाईं, बल्कि अपने 6 दशक से ज्यादा के करियर में तकरीबन 2500 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। एक्ट्रेस ने अपनी मर्जी से ठिक अम्माई (बोइंग बोइंग) से देवकी (अरण्यक केट्टिया ग्रामफिल) का रूप धर सकती थीं। उनके लिए, रेवती (पूचक्कोरु मूक्कुत्थी) से सुलोचना थंकप्पन (थलयनामंत्रम) तक का सफर उतना ही आसान था, जितना मैरी आंटी (वंदनम) से कनप्पा चेकावर की पत्नी (ओरु वडक्कन वीरगाथा), सुभद्र कुंजम्मा (चक्कोकोथा शंकरन), और नबीसा (मिशिकल साक्षी) तक का सफर।

मुश्किल है ये रिकॉर्ड तोड़ना

एक्ट्रेस की फिल्म देखने में लगेंगे 6 साल : दिलचस्प बात है कि अगर आज से हम रोज सुकुमारी की एक फिल्म देखें तो उन्हें निपटाने में लगभग 6 साल का टाइम लग जाएगा। एक्ट्रेस ने मलयालम से लेकर तमिल, तेलुगु, उड़िया, बंगाली और हिंदी फिल्मों में भी काम किया है।

10 साल की उम्र में बड़े पर्दे पर शुरुआत की

6 अक्टूबर, 1940 को जन्मीं सुकुमारी ने महज 10 साल की उम्र में तमिल फिल्म 'ओर इरावु (1951)' से बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत की। निर्देशक पी. नीलकंठन ने उन्हें इस फिल्म में एक भूमिका का प्रस्ताव दिया, जब सुकुमारी अपने एक रिश्तेदार- दिग्गज अभिनेत्री पद्मिनी (त्रावणकोर सिस्टर्स तिकड़ी में से एक) के साथ फिल्म के सेट पर मौजूद थीं और निर्देशक की नजर उन पर पड़ गई। डांस के लिए उनके जुनून और उनकी स्वाभाविक एक्टिंग स्टाइल ने उन्हें बहुत जल्द ही फिल्म जगत में एक प्रमुख हस्ती बना दिया। सुकुमारी एक बेहतरीन एक्टर तो थीं ही साथ ही वे एक कमाल की डांसर भी थीं। भरतनाट्यम और कथकली पर उनकी अच्छी पकड़ थी। उनके आंखों के एक्सप्रेशन दर्शकों को दिल जीत लेते थे।

ऐसे सिंगर थे जिनकी आवाज सबके दिलों को छू देती थी

इस दर्दभरे गाने के लिए रफी को लेने पड़े थे 47 रीटेक

नई दिल्ली। मोहम्मद रफी एक ऐसे सिंगर थे जिनकी आवाज सबके दिलों को छू देती थी और सबको अपना दीवाना बना देती थी। आज तक उनके कुछ प्यार और दर्द भरे ऐसे गाने हैं जो जेन जी जनरेशन तक सुनती है और उसको अपनी लाइफ से रिलेट भी करती है। रफी साहब की आवाज की एक खास बात यह थी कि ऐसा लगता था कि वह सामने बैठकर आपके दिल का हाल बयां कर रहे हैं। वैसे तो मोहम्मद रफी पहले ही टेक में बड़े से बड़ा गाना गा देते थे, लेकिन एक ऐसा गाना था जिसे गाते हुए वह संतुष्ट ही नहीं हो रहे थे और इसके लिए उन्होंने 47 रीटेक तक ले लिए थे।

एसडी बर्मन की तबीयत बिगड़ गई थी

बता दें कि फिल्म के बनते वक्त एसडी बर्मन की तबीयत बिगड़ गई थी। देव आनंद हालांकि एसडी बर्मन के साथ ही म्यूजिक डायरेक्ट करवाना चाहते थे इसलिए उन्होंने उनके ठीक होने का इंतजार किया और जैसे ही वह ठीक हुए इसके बाद उन्होंने कम्पोजिशन शुरू किया और फिर बेस्ट म्यूजिक दिया।

रफी साहब के अवॉर्ड्स

मोहम्मद रफी ने अपने करियर में 7000 से ज्यादा गाने गाए हैं जिसमें से 14 इंडियन और 4 विदेशी गाने हैं। उनकी आवाज ने कई एक्टर्स को अपनी आवाज दी है और उनके करियर को नई पहचान दिलवाई है। इतना ही नहीं, रफी साहब को अपनी जादुई आवाज के लिए कई अवॉर्ड्स जीते हैं जिसमें 6 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और पद्मश्री अवॉर्ड भी जीते हैं।

2 भाषा में बनी थी यह फिल्म

गाइड फिल्म की बात करें तो यह देव आनंद की पहली कलर फिल्म थी। दिलचस्प बात यह है कि यह मूवी 2 भाषा में बनी है हिंदी और इंग्लिश वर्जन में। देव आनंद के छोटे भाई विजय आनंद ने इंग्लिश वर्जन लिखा था राइटर पर्ल एस बक के साथ और डायरेक्ट टेड डेनियलेव्स्की ने किया है। हालांकि इंग्लिश वर्जन को ज्यादा रिस्पॉन्स नहीं मिल सका, लेकिन 2007 कान फिल्म फेस्टिवल में स्क्रीन होने के बाद इसे पॉपुलैरिटी मिली। हालांकि, काफी मुश्किल था इस फिल्म को बनाना। ऐसा कहा जाता है कि पहले मेकर ने सोचा कि एक ही लोकेशन पर पहले हिंदी भाषा में शूट किया और फिर वहीं पर इंग्लिश भाषा में लेकिन, ऐसा हुआ नहीं और फिर अलग-अलग शूटिंग की गई।

गाइड फिल्म का दर्दभरा गाना

जिस गाने की बात कर रहे हैं वो है 'दिन ढल जाए'। यह गाना गाइड फिल्म का है, जिसे मोहम्मद रफी ने गाया है। इस गाने के म्यूजिक डायरेक्टर एसडी बर्मन हैं। वहीं, शैलेंद्र ने लिरिक्स लिखे हैं।

दिल टूटने पर बना है यह गाना

दिन ढल जाए गाना दिल टूटने के दर्द पर आधारित है। इस गाने में देव आनंद के साथ वहीदा रहमान थीं। रफी साहब ने जब यह गाना गाया तो सबको काफी अच्छा लगा। एसडी बर्मन ने तो पहले ही टेक में उन्होंने पसंद कर लिया था। लेकिन, रफी को लगा कि यह परफेक्ट नहीं है। रफी साहब ने फिर 2-4 नहीं बल्कि 47 रीटेक लिए। इसके बाद जाकर उन्हें लगा कि उन्होंने कुछ परफेक्ट किया है, तब यह गाना फाइनल हुआ। जब यह गाना बन गया तब एसडी बर्मन ने उन्हें गले लगाकर कहा कि तुमने हिंदी सिनेमा को एक अमर गीत दिया है।

धुन बनाना भी था काफी मुश्किल

वैसे ऐसा भी कहा जाता है कि इस गाने की धुन को बनाना भी आसान नहीं था। एसडी बर्मन के बेटे आर डी बर्मन और संगीतकार जयदेव ने देर रात 11 बजे तक काम किया था।

ऐतिहासिक तालाब में हो रहे अबैध निर्माण कार्य को रोककर तालाब को पानी से भरने की मांग चेयरमैन ने शासन से की

नगर में गहराते पेयजल संकट को संज्ञान में लेने को मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय। नगर गुरसरांय के ऐतिहासिक तालाब में बिना टेंडर के एवं नगरपालिका में विना सूचना दिए किये जा रहे घाटों के सुंदरीकरण के कारण तालाब को पानी से खाली करके उसमें पानी ना भरने से नगर में पेयजल के संकट को देखते हुए नगरपालिका अध्यक्ष जयपालसिंह राजू चौहान ने पत्रकारों को बताया कि तालाब को अविलंब भरा जाना चाहिए।उन्होंने बताया कि नहर को एक सप्ताह के लिए खोला जाता है।उसमें गर्मियों के दिनों में ही तालाब खाली करवाया जाता है,जिससे नगर में पेयजल संकट गहरा जाता है।उन्होंने बताया कि उन्होंने जे ई एवं एस डी ओ से कहकर तालाब भरने को नहर खुदवाई थी,जिसे नेताओं ने बंद करवा दिया।इसी के साथ तालाब का स्वामित्व नगरपालिका के पास है लेकिन घाटों के सुंदरीकरण का ना तो कोई टेंडर हुआ और ना ही नगरपालिका को सूचना दी गई।

उन्होंने जिलाधिकारी झांसी एवं अधिशाषी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को पत्र लिखकर तालाब माता मंदिर की पश्चिम दिशा में हो रहे अबैध निर्माण को रोके जाने की मांग की।

उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि वर्तमान में नगर पालिका परिषद गुरसराय का पूरा कस्बा भी जल संकट के दौर से गुजर रहा है। नगर का जल स्तर अत्यधिक नीचे चले जाने के कारण अधिकांश हैंडपम्पों ने पानी छोड़ दिया है। साथ ही, जिन बोरिंगों के माध्यम से नगर की पेयजल टकियों में आपूर्ति की जाती थी वे भी लगभग तप हो चुकी हैं। नगर वासियों को पेयजल हेतु भारी कठिनाइ ?यों का सामना करना पड़ रहा है। जनता को पेयजल संकट से उवारने हेतु नगर पालिका अध्यक्ष एवं बोर्ड द्वारा यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है कि नहर के पानी से नगर के तालाब को तत्काल भरवाया जाये, ताकि जल स्तर में सुधार सके। परन्तु सिंचाई विभाग के अवर अभियन्ता एवं सहायक अभियन्ता उक्त तालाब को नहर के पानी सेने हेतु मना कर रहे है। अवर अभियन्ता एवं सहायक अभियन्ता से पूछने पर बताया जा रहा है कि माता मंदिर तालाब में जो कार्य लगभग विगत 10-12 दिनों से प्रारम्भ हुआ है वह ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से किया जा रहा है ।उसके ठेकेदार तालाब को भरने से मना कर रहे हैं, जबकि उक्त के सम्बन्ध में नगर पालिका परिषद गु नराय कार्यालय में न तो उसकी कोई सूचना/डी0पी0आर0 प्राप्त करायी गयी है और न ही जो व्यक्ति का करा रहा है उसके द्वारा कोई कार्यादेश दिखाया जा रहा है ,जिससे सिद्ध हो रहा है कि उक्त कार्य अवैधानिक रूप से किया जा रहा है तथा तालाब के पश्चिम दिशा का बांध अवैधानिक रूप से काटकर तालाव बांध को कमजोर किया जा रहा है। पूर्व में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के ठेकेदार में0 हरप्रसाद पटेल द्वारा लगभग 05-06 माह पूर्व जो कार्य प्रारम्भ किया गया था वह लगभग पूर्ण होने को है। नगर पालिका परिषद गुरसरांय के कस्बा की जनता को भीषण जल संकट से जाने हेतु जनहित में माता मन्दिर तालाब को नहर के पानी से भरवाने का कष्ट करें। उन्होंने एक प्रति मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तरप्रदेश सरकार, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग,आयुक्त महोदय झांसी मंडल झांसी को भी प्रेषित कर अबैध कार्य को रोककर तालाब भरे जाने की मांग की। इस दौरान पूर्व पार्षद राकेश त्रिपाठी, राजेश गुड्डू चौहान,सर्वेश खरे आदि उपस्थित रहे।

श्रद्धा विश्वास के साथ वट वृक्ष की पूजा की

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय। श्रद्धा विश्वास के साथ बुंदेलखंड का प्रसिद्ध पर्व वट वृक्ष की पूजा कर महिलाओं ने पति की दीर्घायु की प्रार्थना की। तालाब माता मंदिर,गरौठा रोड एवं बालिका विभाग में वट वृक्ष की पूजा अर्चना कर महिलाओं ने पूजा की।

बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा ने बिजली की समस्या को लेकर जिलाधिकारी को लिखा पत्र

- कहा: 'जनता परेशान, न रोस्टर का पालन हो रहा और न अधिकारी उठा रहे फोन!

- तत्काल निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुंदेलखंड में आसमान से बरसती आग और भीषण गर्मी के बीच जनपद झांसी में चरमराई विद्युत व्यवस्था को लेकर बबीना विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजीव सिंह 'पारीछा' ने कड़ा रुख अपनाया है। क्षेत्रवासियों को मिल रही लगातार शिकायतों और भारी जन-असंतोष को देखते हुए विधायक ने आज 15 मई को जिलाधिकारी (ष्ठरू) झांसी को एक सख्त शिकायती पत्र (पत्रांक सं- 2961/1/एम.एल.ए.) भेजा है।विधायक ने विद्युत विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए जनहित में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

विधायक के पत्र की मुख्य और बड़ी बातें: रोस्टर का उल्लंघन और अघोषित कटौती: विधायक राजीव सिंह पारीछा ने पत्र में साफ तौर पर अवगत कराया कि बबीना विधानसभा सहित झांसी के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लंबे समय से अत्यधिक अघोषित विद्युत कटौती और लो-वोल्टेज की गंभीर समस्या बनी हुई है। शासन द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुसार बिजली नहीं दी जा रही है। किसान, छात्र और व्यापारी बेहाल: भीषण गर्मी में बिजली न मिलने से आम नागरिकों के दैनिक कार्य ठप हैं। कम वोल्टेज के कारण विद्युत उपकरण फुंक रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की भारी किल्लत हो गई है और किसानों की सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है। परीक्षाओं के इस दौर में विद्यार्थियों की पढ़ाई का भी भारी नुकसान हो रहा है। अधिकारियों की मनमानी, नहीं उठाते फोन: विधायक ने सबसे बड़ा आरोप बिजली विभाग के बेलगाम अधिकारियों और कर्मचारियों पर लगाया है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार अधिकारी न तो आम जनता का फोन उठाते हैं और न ही जनप्रतिनिधियों की कॉल का जवाब दे रहे हैं, जिससे समस्याओं का समय पर निस्तारण नहीं हो पा रहा है। विधायक ने DM से की ये सख्त मांग: विधायक राजीव सिंह पारीछा ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया है कि इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया जाए। संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देकर शासन के रोस्टर के मुताबिक निर्बाध (बिना रुकावट) विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। इसके साथ ही लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए जनता की शिकायतों का समयबद्ध निवारण किया जाए। इस पत्र की प्रतिलिपि मुख्य अभियंता (विद्युत वितरण खण्ड ग्रामीण झांसी) को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी गई है।

ई-कार्ट से विश्वविद्यालय पहुँचे कुलपति, दिया स्वदेशी, ऊर्जा संरक्षण और हरित पर्यावरण का संदेश

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में 'मेरा भारत, मेरा योगदान ' जन-अभियान के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अपील पर ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं स्वदेशी अपनाने का प्रेरणादायी संदेश दिया गया।

कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ ई-कार्ट के माध्यम से विश्वविद्यालय कार्यालय पहुँचकर इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय ने समाज को ऊर्जा बचत, हरित पर्यावरण एवं आत्मनिर्भर भारत का सशक्त संदेश दिया। कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में आयात एवं विदेशी मुद्रा पर बढ़ते दबाव को कम करना समय की बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे सकारात्मक परिवर्तन अपनाए, तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ऊर्जा संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग से पेट्रोल एवं डीज़ल की खपत में कमी आएगी, इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण भी स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनेगा। विश्वविद्यालय एक व्यवहारिक मॉडल के रूप में समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रहा है। कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों से इलेक्ट्रिक व्हीकल अथवा बिना पेट्रोल-डीज़ल वाले वाहनों के अधिकाधिक उपयोग का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन सरकारी वाहनों में ईंधन की खपत कम करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाएगा, ताकि ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा दोनों उद्देश्यों को साथ-साथ आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं भी व्यक्तिगत रूप से इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग प्रारंभ कर दिया है तथा विवि में भी इसके प्रयोग को प्रोत्साहित करेंगे। यह पहल आत्मनिर्भर भारत, हरित ऊर्जा अभियान एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी कदम मानी जा रही है। इस अवसर पर ई-कार्ट में कुलपति के साथ निदेशक शोध डॉ. एसके चतुर्वेदी, निदेशक शिक्षा डॉ. अनिल कुमार, अधिष्ठाता डॉ. आरके सिंह, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी डॉ. मनीष श्रीवास्तव, अधिष्ठाता मात्स्यिकी महाविद्यालय डॉ. पीके पाण्डेय तथा कुलसचिव डॉ एसएस कुशवाह भी उपस्थित रहे।

बांदा में केन नदी में नहाने गए दो किशोर डूबे, दोनों की हुई मौत

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में एक बार फिर परिजनों और प्रशासन की लापरवाही के चलते दो किशोरो की केन नदी में डूब कर मौत हो गई। बीते दो दिन पहले ही एक और बच्चों की मौत हुई थी केन नदी में डूब कर करने का सिलसिला लगातार जारी है लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा वही जिस गोताखोर की ड्यूटी लगी थी उसे नगर पालिका ने बुला लिया था जिसके चलते किशोरो की जान नहीं बचाई जा सकी। जिला प्रशासन यह भली भांति जानता है कि केन नदी घाट पर रोजाना लोगों की भीड़ लगती है इसके बावजूद कोई ऐसी तैनाती नहीं की गई जो इन घटनाओं को रोक सके। दरअसल शहर कोतवाली अंतर्गत क्योटरा मोहल्ले के दो किशोर खेलते खेलते केन नदी नहाने पहुंच गए और नहाते वक्त वह गहराई में डूब गए । जबकि वहां मौजूद मछुवारों ने एक किशोर को तुरंत बाहर निकाल लिया और अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया प्रशासन को घटना की सूचना मिली और तुरंत घटना स्थल में पहुंचकर दूसरे किशोर की तलाश शुरू कर दी घंटों की तलाश के बाद दूसरे किशोर का शव भी बरामद कर लिया गया जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पर सावल अभी भी यही है कि आखिर केन घाट पर ये लापरवाही और मौत का सिलसिला कब थमेगा।।

औगासी रोड में एक युवक 33 हजार हाईटेंशन विद्युत लाइन के खंभे में चढ़कर घंटो करता रहा ड्रामा पुलिस ने समझाकर नीचे उतरवाया

(यंग भारत न्यूज)

मामला बबेरू कस्बे के औगासी रोड स्थिति मांगलीराम विद्यालय के पास का है, जहाँ श्रंगार थोक मोहल्ले के रहने वाले सुनील राजपूत पुत्र लोटन राजपूत यह आज गुरुवार की सुबह अपने खेतो के पास से निकली 33 हजार हाईटेशन विद्युत लाइन के खम्भे में चढ़ गया, और घंटो ड्रामा करता रहा, जैसे ही आसपास के लोगो ने देखा तो पुलिस व परिजनों क़ो सूचना दिया, मौके पर बबेरू कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र सिंह राजावत मय फ़ोर्स के साथ पहुंचे, जहाँ परिजन व पुलिस घंटो समझाती रही, लेकिन खम्भे से नही उतरा जब कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र सिंह राजावत ने कहा की नीचे उतरकर आओ अपनी समस्या बताओ तुम्हारी पूरी तरह से मदद की जाएगी, तब काफ़ी देर में पुलिस के समझाने के बाद खम्भे में चढ़े सुनील राजपूत नीचे उतरा, जब कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने कहाँ कि अब बताओ तुम्हारी क्या समस्या है तो खम्भे में चढ़े सुनील राजपूत ने बताया कि मुझे 25 लाख रूपये का लोन चाहिए, ताकि मैं कोई बिजनेस कर सकूं और अपना खर्च परिवार का खर्च निकाल सकूं पुलिस ने कहा कि तुम काम करो तुम अपना खर्च स्वयं निकाल सकते हो, पुलिस ने कहा कि लोन का काम बैंक का होता है,जहाँ हमारी जरूरत पड़े वहा हमको बताओ, वही पुलिस के द्वारा गुरुवार क़ो 11 बजे खंभे में चढ़े युवक सुनील राजपूत को उसके पिता लोटन राजपूत व उसकी पत्नी के समक्ष सुपुर्द कर दिया गया।

झांसी शाखा नंबर 2 का पुनर्गठन: राघवेंद्र चौथी बार सचिव और नरेंद्र तीसरी बार बने अध्यक्ष

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। नॉर्थ सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज संघ (झांसी मुख्य शाखा नंबर 2) का आधिकारिक रूप से पुनर्गठन किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें राघवेंद्र तिवारी को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए चौथी बार संघ का मुख्य शाखा सचिव चुना गया। वहीं, संगठन में मजबूत पकड़ रखने वाले नरेंद्र त्रिपाठी तीसरी बार अध्यक्ष पद पर आसीन हुए हैं।

इसके अतिरिक्त, संगठन विस्तार और कार्यप्रणाली को गति देने के लिए आनंद वर्मा व जिग्नेश केसरी को उपाध्यक्ष तथा अतुल साहू को सहायक सचिव की कमान सौंपी गई है। इस नई टीम के गठन पर रेल कर्मचारियों और संघ के वरिष्ठ नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718